साान्ध्य हिन्दी दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

# देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष - 02 | अंक - 302 | जौनपुर, सोमवार, 29 जुलाई 2024 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज - 4 | मूल्य - 2 रूपये

## संक्षिप्त खबरें

### एसी का कंप्रेसर फटा, बिल्डिंग में लगी आग

लखनऊ, संवाददाता। कैसरबाग में रविवार को भानुमति चौराहे पर स्थित चार मंजिला बिल्डिंग में आग लग गई। आग की भयानक लपटों में वहां रह रहे चार युवक फंस गए। हादसे से वहां हड़कंप मच गया। दमकल कर्मियों ने चार गाड़ियों ने पहले चारों को बाहर निकाला। फिर एक घंटे में आग पर काबू पा लिया। भानुमति चौराहे के पास मनीष पॉल की चार मंजिला बिल्डिंग है। रविवार दोपहर बिल्डिंग के भूतल पर बनी दुकान में लगे एसी का कंप्रेसर अचानक फट गया और आग लग गई। धमाका इतना तेज था कि लोग सहम गए। घटना के समय दुकान अंदर से बंद थी। देखते ही देखते आग विकराल हो गई और पूरी बिल्डिंग में धुआं भर गया। इस बीच वहां रह रहे मो. शारिक, अभिषेक मिश्रा, अभिषेक कुमार और अभिषेक सिंह फंस गए। चारों छत पर पहुंच गए और चीखने लगे। शोर सुन आसपास के लोगों ने घटना की जानकारी दमकल को दी। वे खुद भी आग बुझाने लगे मगर लपटें तेज होने के कारण वह असफल रहे। इस बीच दमकल कर्मी भी चार गाड़ियों के साथ घटनास्थल पर पहुंच गए।

दो टीमों में बंट कर चला राहत कार्य

आग की भयावहता देख दमकल कर्मी आनन–फानन दो टीमों में बट गए। पहली टीम आग पर काबू पा लगी। वहीं दूसरी टीम में दो दमकल कर्मियों को ब्रीदिंग आपरेटस सेट पहनाकर चौथी मंजिल पर भेजा गया। साथ ही हाइड्रोलिक प्लेटफार्म मंगाई गई, इसके जरिये चारों युवकों को सुरक्षित नीचे उतार लिया गया।

### नीति आयोग की बैठक में सहभागितापूर्ण शासन पर ध्यान केंद्रित किया गया – शाह

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि नीति आयोग की शासी परिषद की शनिवार को हुई बैठक में केंद्र और राज्यों के बीच निर्बाध सहयोग और सहभागितापूर्ण शासन बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित किया गया। शाह ने यहां राष्ट्रपति भवन में आयोजित बैठक में भाग लेने के बाद यह बात कही। शाह ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी की अध्यक्षता में हुई नीति आयोग की शासी परिषद की बैठक में भाग लिया। विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए बैठक में केंद्र और राज्यों के बीच निर्बाध सहयोग और सहभागितापूर्ण शासन बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित किया गया। उन्होंने कहा कि बैठक में गांवों में गरीबी को शून्य स्तर पर लाने यानी इसे पूरी तरह समाप्त करने के विचार पर गहन चर्चा हुई। मोदी ने गरीबी से निपटने के लिए केवल कार्यक्रम स्तर के बजाय व्यक्तिगत स्तर पर काम करने की जरूरत पर जोर दिया।

## मन की बात में प्रधानमंत्री की सराहना से 'बाघ मित्रों' में नयी उर्जा का संचार होगा - सीएम

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा राज्य के पीलीभीत जिले में संचालित 'बाघ मित्र' कार्यक्रम की सराहना निश्चित रूप से सभी 'बाघ मित्रों' में नया उत्साह और ऊर्जा का संचार करेगी। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर की गयी टिप्पणी में कहा, "आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने आज 'मन की बात' कार्यक्रम में जनपद पीलीभीत में संचालित 'बाघ मित्र कार्यक्रम' का विशेष उल्लेख किया है। इस कार्यक्रम में उनके द्वारा 'बाघ मित्र कार्यक्रम' पहल की सराहना निश्चित रूप से सभी बाघ मित्रों में नवीन उत्साह और ऊर्जा का संचार करेगी। प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में बाघों के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए हम प्रतिबद्ध हैं। 'मन की बात' में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि उत्तर प्रदेश के पीलीभीत में संचालित 'बाघ मित्र कार्यक्रम' भी चर्चा का विषय बना हुआ है तथा इसके तहत स्थानीय लोगों को 'बाघ मित्र' के तौर पर काम करने के लिए प्रशिक्षित किया जाता है। उन्होंने कहा कि ये 'बाघ मित्र' इस बात का पूरा ख्याल रखते हैं कि बाघों और इंसानों के बीच टकराव की स्थिति ना बने। देश के कई हिस्सों में इस तरह के प्रयास जारी हैं। बाघ मित्र कार्यक्रम पर प्रकाश डालते हुए उत्तर प्रदेश सरकार ने रविवार को एक बयान में कहा कि मुख्यमंत्री आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में 2019 में शुरू की गई इस पहल का उद्देश्य क्षेत्र में मानव–वन्यजीव संघर्ष को काफी कम करना है। बयान के मुताबिक, मुख्यमंत्री ने अक्टूबर 2023 में पीलीभीत में बाघ मित्र ऐप जारी किया था। इसमें कहा गया है कि 'बाघ मित्र' नेटवर्क में कई युवा, बुजुर्ग और चार महिलाओं सहित 120 से अधिक व्यक्ति शामिल हैं तथा वे बाघों या अन्य वन्यजीवों के देखे जाने की सूचना देने के लिए एक 'व्हाट्सऐप ग्रुप' का इस्तेमाल करते हैं, जिससे वन विभाग तुरंत प्रतिक्रिया दे सकता है और जानवरों के स्थानों को ट्रैक करके जन सुरक्षा सुनिश्चित कर सकता है। पीलीभीत बाघ अभयारण्य के प्रभागीय वनाधिकारी (डीएफओ) मनीष सिंह ने कहा, "पीलीभीत में मानव–वन्यजीव संघर्ष की अक्सर घटनाएं होती रहती थीं। इस मुद्दे को हल करने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में 2019 में 'बाघ मित्र' कार्यक्रम शुरू किया गया था, जिसका उद्देश्य इन संघर्षों को प्रभावी ढंग से कम करना था। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम काफी सफल रहा है और अक्टूबर 2023 में मुख्यमंत्री ने पीलीभीत की अपनी यात्रा के दौरान बाघ मित्र ऐप जारी किया। सिंह ने बताया कि दुनिया के 70 फीसदी बाघ भारत में पाए जाते हैं।

## यूपी में नेता प्रतिपक्ष होंगे माता प्रसाद पांडे

लखनऊ, संवाददाता। सपा विधायक दल की बैठक समाप्त हो गई है। विधान सभा सदस्य माता प्रसाद पांडेय को नेता प्रतिपक्ष चुना गया। अखिलेश यादव ने निर्देश दिए हैं कि लोकसभा चुनाव के बाद पहली बार हो रहे विधानमंडल सत्र में पूरी तैयारी के साथ उतर जाएं और जनहित के मुद्दे प्रमुखता से उठाए जाएं। इनमें किसानों, जातीय गणना और कानून–व्यवस्था प्रमुख मुद्दे होंगे। उत्तर प्रदेश विधानसभा में माता प्रसाद पांडे को नेता प्रतिपक्ष बनाया गया है। इस दौड़ में इंद्रजीत सरोज का नाम भी तेजी से चल रहा था, लेकिन अखिलेश यादव ने माता प्रसाद पांडे को उत्तर प्रदेश विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष बनाया। इसके अलावा सपा ने विधायक महबूब अली को अधिष्ठाता मंडल, कमाल अख्तर को मुख्य सचेतक और राकेश कुमार उर्फ आरके वर्मा को उप सचेतक नियुक्त किया है। गौरतलब है कि इससे पहले विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष अखिलेश यादव खुद थे। अखिलेश यादव मैनपुरी की करहल सीट से विधायक थे। माता प्रसाद पांडे सिद्धार्थनगर की इटवा सीट से विधायक हैं। वह उत्तर प्रदेश विधानसभा के दो बार अध्यक्ष रह चुके हैं।

## असुरक्षित निर्माण की कीमत लोग जान गंवाकर चुका रहे – राहुल

नई दिल्ली, एजेंसी। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने दिल्ली के ओल्ड राजेंद्र नगर इलाके में एक कोचिंग संस्थान की इमारत के 'बेसमेंट' में पानी भरने के कारण सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी कर रहे तीन अभ्यार्थियों की मौत पर रविवार को शोक जताया। राहुल गांधी ने कहा कि आम लोग असुरक्षित निर्माण, खराब नगर नियोजन और हर स्तर पर संस्थानों के गैर–जिम्मेदाराना रुख की कीमत अपनी जान गंवाकर चुका रहे हैं। कांग्रेस नेता ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, "दिल्ली की एक इमारत के 'बेसमेंट' में पानी भर जाने के कारण प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे तीन अभ्यर्थियों की मौत बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है। कुछ दिन पहले बारिश के दौरान करंट लगने से एक अभ्यर्थी की मौत हो गई थी। सभी शोकाकुल परिजनों के प्रति भावपूर्ण संवेदनाएं व्यक्त करता हूं।" उन्होंने कहा, "इस तरह का असुरक्षित निर्माण तंत्र की साझा असफलता है। असुरक्षित निर्माण, लचर नगर नियोजन और हर स्तर पर संस्थाओं के गैर–जिम्मेदाराना रुख की कीमत आम नागरिक अपना जीवन गंवाकर चुका रहे हैं। दिल्ली की एक बिल्डिंग के बेसमेंट में पानी भर जाने के कारण प्रतियोगी छात्रों की मृत्यु बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है। बारिश के दौरान बिजली का करंट लगने से एक छात्र की मृत्यु हुई थी। सभी शोकाकुल परिजनों को अपनी भावपूर्ण संवेदनाएं व्यक्त करता हूं। एक सुरक्षित एवं आरामदायक जीवन हर नागरिक का अधिकार है और इसे सुनिश्चित करना सरकारों का दायित्व है।

## पीएसी कर्मियों को अधिक से अधिक सुविधा मुहैया कराना हमारी प्राथमिकता - डा. मिश्र

(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ)

अयोध्या। आज भी जब 5 जुलाई 2005 को राम जन्मभूमि परिसर में 5 आतंकवादियों द्वारा की गई आतंकी हमले की बरसी मनाई जाती है तो उस राम नगरी वासियों को वर्तमान समय में प्रभारी आईजी पीएसी पूर्वी जोन प्रयागराज राजीव नारायण मिश्र की याद जरुर आ जाती है।बताते चलें कि प्रभारी आईजी पीएसी पूर्वी जोन प्रयागराज राजीव नारायण मिश्र की गिनती अपने कार्य के प्रति कर्तव्य निष्ठा व कानून से खिलवाड़ करने वाले असामाजिक तत्वों व आतंकियों से लोहा लेने के चलते तेज तर्रार पुलिस अधिकारियों मे की जाती है।जिसके चलते उन्हें सिर्फ प्रदेश सरकार द्वारा ही नहीं बल्कि राष्ट्रपति द्वारा वीरता पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया है।जहां जहां पर वे तैनात रहे वहां पर अपने मृदुल व्यवहार से आज भी वहां की जनता व पीएसी कर्मी उनको याद करती है।इसलिए उन्हें उन्होंने अपने कुशल अनुभव व पुलिस प्रशासन के साथ आपसी सामंजस्य स्थापित करते हुये चार चार बार प्रयागराज में होने वाले माघ मेले को शांति पूर्वक ढंग से सम्पन्न कराने का सराहनीय कार्य किया।एक मुलाकात

में उन्होंने बताया कि कोरोना काल में माघ मेले को सम्पन्न कराना चुनौती पूर्ण कार्य रहा।इस दौरान माघ मेले में तैनात पुलिस व अन्य विभागों के अधिकारियों व कर्मचारियों के साथ साथ कई संगठनों के पदाधिकारियों के कठिन परिश्रम व आपसी सामंजस्य के चलते कोरोना काल में भी माघ मेला सकुशल संपन्न हुआ।वही इस मेले में आने वाले श्रद्धालुओं की जागरुकता भी रंग लाई जिसके चलते कोरोना जैसे महामारी के बीच में यह मेला सम्पन्न हुआ।उन्होंने बताया कि अगर शासन द्वारा उन्हें इस बार प्रयागराज में हो रहे कुंभ मेला को सम्पन्न कराने की जिम्मेदारी मिलती है तो वे इस कुंभ मेले में ड्यूटी पर तैनात पुलिस व अन्य विभागों के अधिकारियों व कर्मचारियों के साथ साथ अन्य संगठनों के पदाधिकारियों के साथ साथ आपसी सामंजस्य स्थापित करते हुए कुंभ मेले को सकुशल सम्पन्न कराने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ेंगे।प्रभारी आईजी पीएसी पूर्वी जोन प्रयागराज राजीव नारायण मिश्र ने बताया कि उनकी प्रथम प्राथमिकता पीएसी जवानों की हर संभव मूलभूत सुविधाओं को मुहैया कराना है। पीएसी जवानों के लिए शासन द्वारा चलाई जा रही हर सुविधाएं उन्हें प्रदान किया जाये।इसके लिए उन्होंने जोन के सभी पीएसी कंपनियों के अधिकारियों को बैठक के दौरान निर्देश दिए हैं।बताते चलें कि वर्ष 2010 बैच के आईपीएस अधिकारी डॉ राजीव नारायण मिश्र को राष्ट्रपति द्वारा वीरता पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।उन्हें यह सम्मान 5 जुलाई 2005 को अयोध्या में राम जन्मभूमि परिसर में 5 आतंकवादियों को पीएसी, सीआरपीएफ व अन्य जवानों की मदद से मारकर एक बड़ी घटना होने से बचाया था।वही उनको पीएसी के 76 वें स्थापना दिवस पर प्रदेश में सर्वश्रेष्ठ बटालियन पुरुस्कार से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सम्मानित किया था।इससे पहले उन्हें कई सराहनीय कार्य करने के चलते, राज्यपाल व डीजीपी से भी सम्मानित किया जा चुका है। बताते चलें कि प्रभारी आईजी पूर्वी जोन प्रयागराज पीएसी से पहले वे डीआईजी पीएसी कानपुर अनुभाग,कमान्डेंट 34 वीं वाहिनी पीएसी बटालियन भुल्लनपुर वाराणसी, एसएसपी एसटीएफ,एसएसपी एटीएस सहित अन्य महत्वपूर्ण पदों पर तैनात रह चुके हैं।

## भारत को 5,000 अरब डालर की अर्थव्यवस्था बनाने पर जोर - पीएम

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कहा कि केंद्र और राज्य सरकारें अधिक मजबूती से लोक कल्याण के समन्वित और मजबूत प्रयासों में जुट जाती हैं तो 'विकसित भारत' का लक्ष्य निश्चित तौर से हासिल किया जा सकता है। पार्टी के वरिष्ठ नेता और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सुशासन प्रकोष्ठ के संयोजक विनय सहस्रबुद्धे की ओर से जारी एक बयान के मुताबिक मोदी ने कहा कि विरासत का विकास करना और विकास की विरासत का निर्माण करना 'विकसित भारत' की संकल्पना में विशेष महत्व रखता है। प्रधानमंत्री यहां भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) शासित राज्यों के 13 मुख्यमंत्रियों और 15 उप मुख्यमंत्रियों की दो दिवसीय बैठक के दूसरे दिन उन्हें संबोधित कर रहे थे। मोदी ने देश को 5,000 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के अपनी सरकार के एजेंडे के बारे में विस्तार से चर्चा की और कल्याणकारी उपायों में जनता की भागीदारी के महत्व पर जोर दिया। सहस्रबुद्धे ने कहा कि प्रधानमंत्री ने विभिन्न समूहों को लक्षित करते हुए सरकारी योजनाओं की अधिकतम पहुंच सुनिश्चित करने के लिए सोशल मीडिया के उपयोग पर भी जोर दिया। केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह, अमित शाह और जे पी नड्डा सहित वरिष्ठ भाजपा नेताओं ने मुख्यमंत्री परिषद में भाग लिया। इसका आयोजन समय–समय पर होता रहता है और इसमें बड़े पैमाने पर शासन के मुद्दों पर ध्यान केंद्रित किया जाता है। शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने नई शिक्षा नीति और इसके क्रियान्वयन में राज्यों की भूमिका के बारे में बात की। बैठक के दौरान विभिन्न राज्यों ने अपनी कुछ प्रमुख व महत्वाकांक्षी योजनाओं पर प्रस्तुति दी। मुख्यमंत्रियों समेत भाजपा नेताओं के साथ बातचीत में मोदी ने अक्सर कल्याणकारी योजनाओं की कवरेज सुनिश्चित करने की जरूरत पर जोर दिया है और कहा है कि पार्टी शासित राज्यों को सुशासन के उदाहरण के तौर पर देखा जाना चाहिए। उन्होंने शनिवार को कहा, "हमारी पार्टी सुशासन को आगे बढ़ाने और लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए अथक प्रयास कर रही है। आयोजित मुख्यमंत्री परिषद का उद्देश्य राज्यों में प्रमुख योजनाओं की समीक्षा करना, शासन के सर्वोत्तम तौर–तरीकों और केंद्र सरकार की कल्याणकारी पहल को लागू करना है।

## शिंदे ने महाराष्ट्र में बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के लिए केंद्रीय सहायता मांगी

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने शनिवार को राज्य में बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के लिए केंद्रीय सहायता मांगी ताकि समय पर काम पूरा हो सके और सूखा प्रभावित मराठवाड़ा क्षेत्र में नदियों को जोड़ा जा सके। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में दिल्ली में आयोजित नीति आयोग की शासी परिषद की बैठक में उन्होंने नासिक–पुणे और चिपलून–कराड रेल लाइन, ठाणे मेट्रो, मुंबई फनल जोन और 'क्लस्टर' पुनर्विकास जैसी परियोजनाओं का हवाला देते हुए केंद्रीय निधि की मांग की। शिंदे ने आम आदमी के लिए अपनी सरकार द्वारा शुरू की गई विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं पर भी प्रकाश डाला। मुख्यमंत्री ने कहा कि मुंबई और राज्य के अन्य हिस्सों में कई जर्जर इमारतों का 'क्लस्टर' में पुनर्विकास किया जा रहा है। 'क्लस्टर' पुनर्विकास की मूल योजना का मतलब है कि अलग–अलग इमारतों का पुनर्विकास करने के बजाय, कई पुरानी इमारतों का संयुक्त रूप से पुनर्विकास किया जाता है। शिंदे ने कहा कि झुग्गी–झोपड़ियों और जर्जर इमारतों का पुनर्विकास करने वाली राज्य सरकार की एजेंसियां घ्घ्दो लाख से अधिक मकान बनाएंगी। उन्होंने कहा कि कोंकण तटीय सड़क और कोंकण ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे परियोजना क्षेत्र के विकास के लिए महत्वपूर्ण साबित होगी। मुख्यमंत्री ने केंद्र से नासिक–पुणे रेल लाइन पर जल्द से जल्द काम शुरू करने का आग्रह किया। उन्होंने आठ जिलों वाले मराठवाड़ा क्षेत्र को सूखा मुक्त बनाने के लिए नदी–जोड़ो परियोजनाओं में तेजी लाने के लिए केंद्रीय निधि की मांग की। उन्होंने तटीय कोंकण क्षेत्र में सिंचाई सुविधाओं में सुधार की आवश्यकता पर बल दिया ताकि वर्षा जल को समुद्र में जाने से रोका जा सके।

## झारखंड में 11 सीटों पर विधानसभा चुनाव लड़ने की तैयारी कर रही जेडीयू

रांची, एजेंसी। झारखंड में जनता दल (यूनाइटेड) एनडीए फोल्डर के तहत विधानसभा चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहा है। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कुमार ने शनिवार को पटना में जेडीयू की झारखंड इकाई के 50 प्रमुख नेताओं के साथ बैठक की और उन्हें चुनाव की तैयारी में जुट जाने का निर्देश दिया। बैठक के बाद झारखंड जदयू के अध्यक्ष और राज्यसभा सांसद खीरू महतो ने मीडिया से कहा कि हमने फिलहाल राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कुमार को उन 11 सीटों और संभावित उम्मीदवारों की सूची सौंपी है, जहां हमारी पार्टी के लिए बेहतर संभावनाएं हैं। उन्होंने कहा कि हम कुछ और सीटों पर अपनी स्थिति की समीक्षा कर रहे हैं। ऐसे में कुछ अन्य सीटों पर उम्मीदवार उतारने पर विचार हो सकता है। जेडीयू एनडीए फोल्डर की पार्टी है और हम इसी गठबंधन के साथ चुनाव लडेंगे। किन सीटों पर उम्मीदवार उतारे जाएंगे, यह निर्णय पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष, कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष और राज्य प्रभारी मिलकर तय करेंगे। सीटों के बंटवारे पर भारतीय जनता पार्टी से बात चल रही है। हमें जो सीटें मिलेंगी, उसके अलावा बाकी सीटों पर हम गठबंधन के उम्मीदवारों का समर्थन करेंगे। नीतीश कुमार के साथ हुई बैठक में पार्टी के नेताओं के साथ–साथ कुर्मी जाति संगठन के प्रतिनिधि भी मौजूद रहे। उन्होंने नीतीश कुमार से कहा कि झारखंड में कुर्मी जाति को आदिवासी का दर्जा देने की मांग लंबे अरसे से चल रही है।

## दोषियों को सख्त से सख्त सजा मिले - पवन खेड़ा

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के ओल्ड राजेंद्र नगर में एक कोचिंग सेंटर के बेसमेंट में पानी में डूबने से तीन छात्रों की मौत होने के बाद अब इस मामले पर राजनीति तेज हो गई है। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने इसे शर्मनाक बताते हुए मामले में जिम्मेदारी तय करने और दोषियों को सजा देने की मांग की है। राष्ट्रीय राजधानी में शनिवार शाम बारिश के बाद कोचिंग सेंटर के बेसमेंट में जलभराव हो गया था। उसमें डूबने से दो छात्राओं और एक छात्र की मौत हो गई। पवन खेड़ा ने रविवार को कहा कि दिल्ली में दूरदराज से बच्चे पढ़ने आते हैं। उन्होंने कहा, ष्तीन बच्चों की मौत बेसमेंट में पानी भरने से हुई है। देश की राजधानी में ऐसी घटना के बारे में सुनकर काफी बुरा लगता है, अजीब लगता है, और शर्म आती है। उन्होंने कहा कि राजधानी में आकर लोग अपने सपने पूरे करते हैं। गैर–जिम्मेदाराना तरीके से इमारत बनाई गई। उसे लाइसेंस दिया गया या नहीं, एमसीडी का

क्या इसमें रोल है, ये सवाल हम सबके सामने हैं। उन्होंने कहा, यह कोई प्राकृतिक आपदा से मौत नहीं हुई है। ये मौतें मानव निर्मित त्रासदी का नतीजा हैं। कांग्रेस नेता ने मांग की, इन मौतों के पीछे कौन हैं, उसकी जिम्मेदारी तय होनी चाहिए। उन्हें सजा मिलनी चाहिए और इस तरह की घटना पर अंकुश लगना चाहिए। पवन खेड़ा ने कहा कि अभी कुछ दिन पहले पटेल नगर में करंट लगने से एक छात्र की मौत हो गई।

## नयी जिम्मेदारी पर खरा उतरूंगा – राज्यपाल गंगवार

बरेली, संवाददाता। झारखंड का राज्यपाल नियुक्त किए जाने के बाद पूर्व केंद्रीय मंत्री संतोष गंगवार ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आभार जताया और कहा कि प्रधानमंत्री ने उन्हें जो नयी जिम्मेदारी दी है, वह उस पर खरा उतरेंगे। गंगवार, बरेली संसदीय क्षेत्र से आठ बार सांसद रह चुके हैं। राष्ट्रपति भवन द्वारा शनिवार रात जारी विज्ञप्ति के अनुसार झारखंड के राज्यपाल सी.पी. राधाकृष्णन को महाराष्ट्र का राज्यपाल नियुक्त किया गया है और उनके स्थान पर संतोष कुमार गंगवार झारखंड के नए राज्यपाल होंगे। गंगवार को राज्यपाल नियुक्त किए जाने की घोषणा होते ही शनिवार रात में ही बरेली में उनके भारत सेवा ट्रस्ट स्थित आवास पर प्रमुख कार्यकर्ताओं का पहुंचना शुरू हो गया और मिठाई खिलाकर प्रसन्नता जाहिर की। इस दौरान गंगवार हाथ जोड़कर अभिवादन स्वीकारते रहे। संतोष कुमार गंगवार ने शनिवार रात करीब एक बजे पत्रकारों से कहा, ''मुझे जो नयी जिम्मेदारी मिली है, उस पर खरा उतरूंगा।'' नयी भूमिका मिलने से अभिभूत गंगवार ने कहा, ''पार्टी ने हमेशा बिना मांगे मुझे सब कुछ दिया। अब राज्यपाल बनाकर मेरे प्रति विश्वास व्यक्त किया है। इसके लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का भी आभारी हूं।'' पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा, ''उन्होंने (मोदी) मेरे लिए जो नयी जिम्मेदारी दी है, उस पर खरा उतरूंगा। क्षेत्र (बरेली) की जनता का भी आभार, जिसने मुझ जैसे सामान्य कार्यकर्ता पर लगातार भरोसा जताया। लगातार अटूट विश्वास और प्यार बनाए रखा।

# संपादकीय

## राजनीतिक उदासीनता में डूबा

हर मानसून मुंबई के लोगों को उस दिन की याद दिलाता है जब मानव निर्मित भूलों और प्रकृति ने मिलकर तबाही मचाई थी। इस आपदा में लगभग एक हजार लोगों की मौत हो गई, घर और आजीविका का नुकसान हुआ और अनगिनत दुखों के निशान रह गए। इस आपदा ने भारत के शहरीकरण में जो कुछ भी गलत था, उसे उजागर कर दिया– योजना से लेकर क्रियान्वयन तक, अधिकार से लेकर जवाबदेही तक, व्यय से लेकर परिणामों तक। इस सप्ताह, मुंबई ने खुद को एक बार फिर दुख में घिरा पाया। 2005 में, मुंबई 900 मिमी बारिश से तबाह हो गई थीय 2024 में, बमुश्किल एक तिहाई बारिश ने शहर को बंद कर दिया। स्कूल और कॉलेज बंद हो गए, व्यवसाय बंद हो गए, फायर ब्रिगेड और पुलिस को मौसम की मार झेलते हुए लोगों को बचाना पड़ा। लगभग आधा दर्जन भारतीय शहर पानी में डूब गए। पुणे, जिसे कभी शस्मार्ट सिटीश का ताज पहनाया गया था, स्टार्ट–अप का केंद्र था, को लोगों को बचाने के लिए सेना की दो टुकड़ियाँ बुलानी पड़ीं। बानेर और खड़की के निवासियों ने पाया कि बेसमेंट में पानी भर गया है – इस तथ्य के कारण कि स्टॉर्म वाटर ड्रेन मौजूद नहीं हैं – और बिजली कट गई है। 2005 की आपदा के बाद माधव चितले के नेतृत्व में एक तथ्य–खोज समिति बनाई गई थी। निष्कषर्रू अत्यधिक बारिश, गाद निकालने की कमी के कारण रुकावटें, एक गैर–संचालन आपदा प्रबंधन योजना, संचार और समन्वय की कमी, खराब मौसम की चेतावनी और बहुत कुछ। दिसंबर 2005 में, यूपीए सरकार ने ष्सुधारों को प्रोत्साहित करने और नियोजित विकास को तेज करनेष के लिए जवाहरलाल नेहरू शहरी नवीकरण मिशन की शुरुआत की। मिशन ने कई विचारों को सूचीबद्ध किया लेकिन बाढ़ शब्द के लिए कोई जगह नहीं मिली। पाँच साल बाद, बार–बार होने वाली घटनाओं के बाद, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने शहर की बाढ़ के संकट को पहचाना, कदम सुझाए और क्या करें और क्या न करें की सूची बनाई। तब से कई समितियों और आयोगों ने शहरी नवीकरण के लिए दिखावटी सेवा की है। क्या चीजें बदल गई हैं? वास्तव में नहीं। 2021 में, सिर्फ दक्षिण भारत में पाँच राज्यों के 30 से ज्यादा शहर बाढ़ से प्रभावित हुए। बाढ़ एक वार्षिक घटना है, जब निवासियों को प्रणालीगत आलस्य की कीमत चुकानी पड़ती है। उम्मीदें इतनी कम हैं कि विफलता सामान्य है – और हर बजट में गुस्सा फूटता है क्योंकि कम के लिए अधिक लिया जाता है। इस मानसून में, एक दर्जन से अधिक शहर बाढ़ की चपेट में आ गए। सूखे और प्यासे बेंगलुरु के बाद गर्मी और परेशानी वाली दिल्ली आई। लुटियंस दिल्ली में रहने वाले सांसदों ने मदद के लिए ट्वीट किए। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने मजाक में कहा कि उन्हें नाव की जरूरत पड़ सकती है, जबकि समाजवादी पार्टी के सांसद राम गोपाल यादव को अपने घर से निकलने के लिए वीआईपी लिफ्ट की जरूरत थी। मूल रूप से, भारत में नीति प्रतिक्रिया किसी भी घटना या आपदा के परिणामों पर केंद्रित होती है, जबकि कारण किसी और दिन के लिए छोड़ दिया जाता है। जुलाई 2014 में उम्मीद जगी। अपने पहले बजट भाषण में, तत्कालीन वित्त मंत्री अरुण जेटली ने हालात पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, ष्जब तक बढ़ती आबादी को समायोजित करने के लिए नए शहर विकसित नहीं किए जाते, मौजूदा शहर जल्द ही रहने लायक नहीं रह जाएंगे।ष उन्होंने कहा, ष्प्रधानमंत्री का विजन 100 स्मार्ट सिटी को बड़े शहरों के सैटेलाइट टाउन के रूप में विकसित करना और मौजूदा मध्यम आकार के शहरों का आधुनिकीकरण करना है।ष शहर रहने लायक नहीं रह गए हैं। जेटली बजट के बाद शुरू किए गए स्मार्ट सिटी मिशन में बाढ़ की रोकथाम को प्राथमिकता नहीं दी गई। ध्यान रहे, स्मार्ट सिटी मिशन ने 100 शहरों में 1.64 लाख करोड़ रुपये की 8,000 से अधिक परियोजनाओं को वित्त पोषित किया है, लेकिन बाढ़ पर ध्यान केंद्रित नहीं किया है। अमृत मिशन में एक पहलू– जल निकासी की कमी– को संबोधित करने की क्षमता है, लेकिन इसका ट्रैक रिकॉर्ड पैमाने की कमी को दर्शाता हैरू 2023 तक, 1,622 करोड़ रुपये की केवल 719 परियोजनाएं पूरी हुईं। बाढ़ अत्यधिक वर्षा के कारण होती है, लेकिन खराब जल निकासी, उच्च स्तर की गाद, नदी तल और जल निकायों पर अतिक्रमण, तटीय शहरों में आर्द्रभूमि के विनाश और वनों की कटाई के कारण यह आपदा में बदल जाती है। यह स्पष्ट है कि जल निकासी को सक्षम करने और जल निकायों की सुरक्षा के लिए स्थलाकृति की योजना और उपग्रह इमेजिंग रोकथाम के लिए महत्वपूर्ण है। फिर भी, खराब नियोजन को शहरी बाढ़ का कारण नहीं माना जाता है। प्रकृति को दोष देना आसान है। भारत के शहर राजनीतिक उदासीनता और व्यवस्थागत अराजकता के बीच फंसे हुए हैं। आम तौर पर, डिजाइन का अधिकार और क्रियान्वयन की जवाबदेही अलग–अलग होती है। नीति का डिजाइन संघ के पास हैय राज्यों के पास बहुत कम कहने का अधिकार है। क्रियान्वयन राज्यों के पास है, जिस पर संघ का बहुत कम प्रभाव है। इसलिए, संसद में सवालों के जवाबों में यह अस्वीकरण होता है कि ष्शहरी नियोजन सहित शहरी विकास राज्य का विषय हैष। इससे भी बदतर यह है कि राज्यों ने शहरी निकायों को स्वरूप, कार्य और वित्तपोषण से वंचित कर दिया है। ऐतिहासिक रूप से, भारत के राजनीतिक दल ग्रामीण पूर्वाग्रह में निवेशित हैं – आखिरकार, ग्रामीण भारत अधिक वोट डालता है। आर्थिक संदर्भ के साथ राजनीतिक परिदृश्य को उजागर करना उपयोगी हो सकता है।

# चोटी के दक्षिणी किनारे से देखने पर चिन्ह जैसा आभास

दीपक

बौद्ध इसे कांग रिनपोछे कहते हैं और इसे ध्यान के देवता डेमचोग और गुरु–कवि मिलारेपा से जोड़ते हैं, जो बोनपो साधक नारो बोनचुंग को हराकर इस पर्वत के शिखर पर पहुंचे थे। जैनियों के लिए यह वह स्थान है, जहां उनके संस्थापक संतों में से पहले संत ऋषभ देव ने ज्ञान प्राप्त किया था। हिंदुओं के लिए यह शिव और पार्वती का घर है। बोनपो के लिए यह वह स्थान है, जहां उनके धर्म के संस्थापक, टोनपा शेनरब धरती पर आए थे।

पश्चिम तिब्बत में पिरामिड के आकार का एक पर्वत है–कैलाश पर्वत। यह एशिया के चार धार्मिक समूहों–बौद्ध, जैन, हिंदू और बोनपो के लिए एक पवित्र स्थल है। बोपनो शैमनिज्म का पालन करते हैं, जो बौद्ध धर्म से पहले का तिब्बत का धर्म है। माना जाता है कि शैमनिज्म धर्म का पालन करने वालों के पास आत्माओं को प्रभावित करने की शक्तियां होती हैं। इन चारों धर्मों के तीर्थयात्री पहाड़ की 33 मील की परिक्रमा करने के लिए दारचेन के छोटे–से शहर में आते हैं। कैलाश, जिसे कैलास भी कहा जाता है, हिमालय में 22,028 फुट ऊंचा पर्वत है। यह हिंदू देवता शिव का राज–सिंहासन है, हिंदू एवं बौद्धों के लिए दुनिया का नाभि (केंद्र) है, मेरू पर्वत की सांसारिक छवि है, यह वह पर्वत है, जिसकी जड़ें बौद्ध मान्यताओं के अनुसार सातवें नरक तक और सबसे ऊंचे स्वर्ग तक जाती हैं।

बौद्ध इस पर्वत को कांग रिनपोछे कहते हैं और इसे ध्यान के देवता डेमचोग और गुरु–कवि मिलारेपा से जोड़ते हैं, जो जादुई प्रतियोगिताओं की एक शृंखला में बोनपो साधक नारो बोनचुंग को हराकर इस पर्वत के शिखर पर पहुंचे थे। जैनियों के लिए यह वह स्थान है, जहां उनके संस्थापक संतों में से पहले संत ऋषभ देव ने ज्ञान प्राप्त किया था। हिंदुओं के लिए यह शिव और पार्वती का घर है। बोनपो के लिए यह वह स्थान है, जहां उनके धर्म के संस्थापक, टोनपा शेनरब धरती पर आए थे।

हम चार लोग थे, जिनमें से एक को पहले से तिब्बत का अनुभव था। हम चारों ल्हासा से पांच दिन में दारचेन पहुंचे। आध्यात्मिकता से जुड़े कई शहरों की तरह दारचेन भी गंदगी से भरे धंधेबाजों का स्वर्ग है, खासकर मई के मध्य में, जब तीर्थयात्रा का मौसम होता है, और इसी दौरान हम वहां गए थे। आगंतुक स्पार्टन होटलों के कमरों में रह सकते हैं, जहां गर्म पानी का थर्मस और एक खाट उपलब्ध कराई जाती है। कंकरीट के प्लेटफॉर्म पर स्थायी रूप से तंबू भी खड़े हैं, जो भारत से आने वाले हिंदू तीर्थयात्रियों के पसंदीदा हैं। जैसा कि कभी रूसियों के लिए सच था, चीनी भी अपने नागरिकों को विदेशियों से अलग रखने में विश्वास करते हैं। बाहरी लोग तिब्बती शिविर क्षेत्र में अपने तंबू नहीं लगा सकते, लेकिन वे वहां पैसा जरूर खर्च कर सकते हैं। वहां तंबुओं में अनेक अनौपचारिक दुकानें थीं, जहां से आप कांच के जार में मंदारिन संतरे से लेकर चांदी जड़ित काठी तक, सब कुछ खरीद सकते थे। वहां एक तंबू में आशीर्वाद दिए जाते थे। कई अन्य तंबुओं में ताश के खेल खेले जाते थे। दारचेन में गाइड से कहकर आप तंबुओं और उपकरणों को उठाने के लिए स्थानीय कुली किराये पर ले सकते हैं।

माना जाता है कि कैलाश पर्वत की चोटी पर कोई नहीं पहुंच पाया है। लेकिन एक पुरानी कथा के अनुसार, केवल मिलारेपा नाम के एक बौद्ध भिक्षु ने ही कैलाश पर्वत पर चढ़ाई की थी।ष्चोटी के दक्षिणी किनारे से देखने पर कैलाश पर्वत का हिंदू ओम चिह्न दिखाई देता है। यह प्रतीक विशाल बर्फ के गर्त और पहाड़ की सबसे ऊपरी क्षैतिज चट्टान संरचनाओं से बना है। कहा जाता है कि जो लोग कैलाश के पास 12 घंटे बिताते हैं, उनके नाखून और बाल सामान्य से ज्यादा तेजी से बढ़ते हैं।

शोधकर्ताओं ने पाया है कि वास्तव में कैलाश पर्वत का शिखर एक मानव निर्मित खाली पिरामिड है। इसके चारों ओर सौ से ज्यादा छोटे पिरामिड हैं। यह संभव है कि कैलाश स्थित पिरामिडों के निर्माण के लिए जिम्मेदार प्राचीन सभ्यता ऊर्जा के सूक्ष्म नियमों (ट्विस्ट फील्ड) से परिचित थी और समय और ऊर्जा को नियंत्रित करना जानती थी। कुछ विशेषज्ञों के अनुसार, कैलाश पर्वत ऊर्जा का एक भंवर है, जो शरीर और चेतना को उर्ध्वगामी बनाता है।

पर्वत की परिक्रमा, जिसे तिब्बती बौद्ध कोरा कहते हैं, 15,000 फीट से शुरू होती है। कुछ तिब्बती परिक्रमा पथ के 33 मील की दूरी एक ही दिन में पूरी कर लेते हैं। मान्यता है कि यदि आप एक परिक्रमा पूरी करते हैं, तो न केवल आपके जीवन के अब तक के सभी पाप धुल जाते हैं, बल्कि आपको 12 परिक्रमाओं का श्रेय भी मिलता है। अपनी परिक्रमा के पहले दिन हमने थोड़ी–सी ऊंचाई चढ़ी–15,000 फीट से 16,000 फीट तक। लेकिन विशाल चट्टानों की संरचनाएं, वीरान चोटियां और कैलाश पर्वत के दृश्य मन मोहने



वाले थे।

कुछ मील चलने के बाद हम परिक्रमा की आधिकारिक शुरुआत पर पहुंचे, जिसे पत्थरों के ढेर से चिह्नित किया गया था। रास्ते में हमें पत्थरों के और ढेर, याक की खोपड़ियां और रास्ते को चिह्नित करने वाले प्रार्थना के झंडे मिले। वहां अपने प्रार्थना के झंडे लगाने के बाद हम तारबोचे की ओर चल पड़े रू वहां लकड़ी का एक विशाल ध्वजस्तंभ (जिसे तारबोचे कहते हैं) प्रार्थना के झंडों और खटास से ढका हुआ था। खटास सफेद स्कार्फ होते हैं, जिन्हें तिब्बती लोग देवताओं को भेंट करते हैं। तीर्थयात्रियों का एक समूह स्तंभ के पास नाच–गा रहा था। पास में ही एक छोटा स्तूप जैसा ढांचा है, जिसे कांगनी कहा जाता है। ल्हा चू नामक नदी के पार हम सीढ़ियों से चढ़कर चोकू गोंपा पहुंचे, जो कोरा के तीन प्राचीन मठों में से एक था, जिसे सांस्कृतिक क्रांति के दौरान नष्ट कर दिया गया था, पर बाद में इसका पुनर्निर्माण किया गया।

उस दिन बाकी का रास्ता एक घाटी के साथ था, जिसके बाईं ओर बर्फ से ढके पहाड़ थे। उस दोपहर हमने ल्हा चू के पास डेरा डाला। याक का एक कारवां अपनी काठी पर बढ़िया कालीन लिए हुए गुजरा। नदी के उस पार एक झरना सूरज की रोशनी में चमक रहा था। हमारे तंबू के चारों ओर धरती पर गुलाबी फूल खिले हुए थे। दूसरे दिन हम नदी पार करके दूसरे मठ द्वारा फुक पहुंचे, जिसमें एक गुफा है, जिसमें एक मादा याक (द्रि) की छाप है, जिसके बारे में कहा जाता है कि उसने पहले परिक्रमा करने वाले गुरु गोतशांगपा को इस गुफा तक पहुंचाया था।

# भारत की ओलंपिक उम्मीदें होना जरूरी

आदित्य

फ्रांस की राजधानी पेरिस में 53वें ओलंपिक खेलों का आगाज हो गया। 'प्रेम की नगरी' में ये खेल 11 अगस्त तक खेले जाएंगे और समन्वय, सौहार्द और स्नेह के असंख्य उदाहरण पेश किए जा सकते हैं। दुनिया के 206 देशों के 10,714 खिलाड़ी ओलंपिक में शिरकत करेंगे। उनमें से भारत के 117 खिलाड़ी 16 खेलों और 69 इवेंट्स में पदक और राष्ट्र के सम्मान के लिए जूझेंगे। करीब 100 साल पहले 1924 में भी पेरिस में ओलंपिक खेलों का आयोजन किया गया था, जिसमें पहली बार भारतीय दल ने अधिकृत तौर पर भाग लिया था। भारत की पहली महिला खिलाड़ी ने भी उसी ओलंपिक में हिस्सा लिया था। इतिहास उसी को दोहरा रहा है, लेकिन आज भारत एक स्वतंत्र और संप्रभु देश है। विश्व की 5वीं बड़ी अर्थव्यवस्था है। खिलाडियों के हुनर को तराशने और विश्वस्तरीय बनाने के मद्देनजर भारत ने खिलाडियों पर 470 करोड़ रुपए खर्च किए हैं। सबसे ज्यादा 96 करोड़ रुपए एथलेटिक्स पर खर्च किए गए हैं, लिहाजा पदकों की उम्मीदें भी देश कर रहा है। बैडमिंटन में दो बार ओलंपिक पदकवीर पीवी सिंधु और 5वीं बार ओलंपिक खेल रहे, 42 वर्षीय, टेबल टेनिस के दिग्गज खिलाड़ी शरथ कमल भारतीय खिलाड़ी दल के ध्वजवाहक बने। यह भी राष्ट्रीय सम्मान है। इस बार सबसे अधिक खिलाडियों ने ओलंपिक की पात्रता हासिल की है, लिहाजा सबसे अधिक खिलाड़ी भेजे गए हैं। भारतीय दल में कई विश्व चौम्पियन खिलाड़ी हैं–नीरज चोपड़ा (भाला फेंक), निकहत जरीन (मुक्केबाजी), अंतिम पंघाल (कुश्ती) और मनु भाकर (निशानेबाजी) आदि। कुछ ऐसे खिलाड़ी भी हैं, जिन्होंने विश्व स्तर पर कीर्तिमान स्थापित किए हैं–सात्विक चिराग की जोड़ी, लक्ष्य सेन, सिंधु (सभी बैडमिंटन खिलाड़ी), विनेश फोगाट (कुश्ती), मीराबाई चानू (भारोत्तोलन) और पुरुष हॉकी टीम। काश! शतरंज और क्रिकेट भी ओलंपिक खेलों में शामिल होते, तो उनके खिलाड़ी भी विश्वस्तरीय श्रेणी में गिने जाते! भारत में खेल मंत्रालय का बजट 3442 करोड़ रुपए तय किया गया है। यह देश के जीडीपी का मात्र 0.01 फीसदी से भी कम है। पश्चिम में कई विकसित देश खेलों पर 0.2 फीसदी से 0.6 फीसदी तक खर्च करते हैं। भारत में प्रति नागरिक औसतन 25 रुपए खेल पर खर्च किए जा रहे हैं। इसके बावजूद भारत की उम्मीद है कि इस बार उसके खिलाड़ी पदकों की दहाई पार करेंगे। 2004 में ब्राजील ने 10 पदक जीत कर अपना लक्ष्य हासिल किया था। भारत ने टोक्यो ओलंपिक में एक स्वर्ण पदक समेत 6 पदक जीते थे। देश के लिए वह महान उपलब्धि थी, क्योंकि अधिकतर खेल मुकाबलों में भारत पदकहीन ही रहता आया है। इस बार एथलेटिक्स, हॉकी, बैडमिंटन, कुश्ती, भारोत्तोलन, मुक्केबाजी, निशानेबाजी आदि खेलों में पदकीय जीत की उम्मीदें कर सकते हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इन खेलों के खिलाडियों ने विश्व चौम्पियन टीमों और खिलाडियों को भी मात दी है। दुर्भाग्य और विडंबना है कि टोक्यो ओलंपिक में हॉकी की जिस महिला टीम ने चौथा स्थान हासिल किया था, वह पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई भी नहीं कर पाई। यह खेल और प्रशिक्षण के हरेक स्तर की अयोग्यता है। भारोत्तोलन में कोई भी पुरुष खिलाड़ी ओलंपिक का पात्र नहीं समझा गया। महिला वर्ग में भी मीराबाई चानू अकेली ही दायित्व उठा रही है। उनके बाद कोई भी दूसरी महिला खिलाड़ी ओलंपिक के स्तर की नहीं है। जिम्नास्टिक्स में भारत का प्रतिनिधित्व शून्य है। तलवारबाजी में भवानी देवी का कोई भी उत्तराधिकारी नहीं है और पुरुष पहलवान भी एक रह गया है। यदि हमारे पास विश्वस्तरीय खिलाड़ी हैं, तो इन खेलों पर भी चिंतन–मनन करना पड़ेगा, जिनका ओलंपिक स्तर का एक भी खिलाड़ी 143 करोड़ की आबादी वाले देश में नहीं है। आज निशानेबाजी में 21 खिलाडियों ने ओलंपिक की पात्रता हासिल की है। तीरंदाजी में भारत की पुरुष और महिला टीमें सीधा क्वार्टर फाइनल के लिए क्वालीफाई कर गई हैं। बेशक यह महत्वपूर्ण जीत है, लेकिन लक्ष्य अभी दूर है। सरकार को खेलों की विपन्नता वाले क्षेत्रों में प्रयास करने चाहिए। कई खेल ऐसे हैं, जो भारत में पारंपरिक नहीं रहे, ठोस विरासत भी नहीं है, लेकिन खिलाड़ी विश्वस्तरीय पैदा हो रहे हैं।

# युवा दिमागों को नशे से दूर रखना

विनोद

तेलंगाना राज्य, विशेष रूप से हैदराबाद में बढ़ती नशीली दवाओं की खपत को ध्यान में रखते हुए, तेलंगाना सरकार ने तेलंगाना एंटी नारकोटिक ब्यूरो (टी–एनएबी) का गठन करके नशीली दवाओं के खतरे को नियंत्रित करने के लिए कई उपाय किए हैं। टी–एनएबी ने हैदराबाद में विभिन्न स्थानों पर छापे मारे और गांजा सहित विभिन्न नशीली दवाओं के पदार्थों का अनियमित उपयोग पाया। कुछ दिनों पहले हैदराबाद और उसके आसपास के विभिन्न कॉलेजों के छात्रों को भी नशीली दवाओं के उपभोक्ताओं के रूप में पहचाना गया था और टी–एनएबी द्वारा उनके खिलाफ मामला दर्ज किया गया था। नशीली दवाओं के पदार्थों की खपत को नियंत्रित करने के लिए, स्कूल शिक्षा आयुक्त ने हाल ही में सभी हाई स्कूलों में "प्रहरी क्लब" के गठन का आदेश दिया है, जो बच्चों को नशीली दवाओं से दूर रखने और स्कूलोंध्शैक्षणिक संस्थानों के आस–पास के क्षेत्रों में नशीली दवाओं की बिक्री को रोकने के लिए एक रूपरेखा प्रदान करता है, और इस पहल को बच्चों पर इसके प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष प्रभाव पर विशेष ध्यान देने के साथ गंभीरता से देखने की आवश्यकता है। एक शिक्षक और एक अभिभावक के रूप में, मेरी राय में, स्कूलों में नशीली दवाओं की तस्करी विरोधी क्लब स्थापित करने का विचार शुरू में नशीली दवाओं की समस्या से निपटने के लिए एक सकारात्मक कदम की तरह लग सकता है। हालांकि, यह रणनीति अनजाने में छात्रों में जिज्ञासा जगा सकती है, जिससे अप्रत्याशित मुद्दे पैदा हो सकते हैं। नशीली दवाओं के खिलाफ क्लब शुरू करने से छात्रों के बीच नशीली दवाओं को एक प्रमुख विषय के रूप में अनजाने में उजागर किया जा सकता है। किशोर स्वाभाविक रूप से जिज्ञासु होते हैं, और जब उन्हें बार–बार नशीली दवाओं के बारे में चर्चाओं का सामना करना पड़ता है, भले ही नकारात्मक रूप से, तो यह उनकी रुचि जगा सकता है। नशीली दवाओं पर लगातार जोर देने से कुछ छात्र उनके महत्व के बारे में सोच सकते हैं और अपनी जिज्ञासा को संतुष्ट करने के लिए प्रयोग करने के लिए प्रेरित हो सकते हैं। दूसरे, इन क्लबों में गतिविधियाँ और चर्चाएँ आवश्यकता से अधिक विवरण प्रदान कर सकती हैं। जबकि लक्ष्य छात्रों को नशीली दवाओं के खतरों के बारे में शिक्षित करना है, विभिन्न प्रकार की दवाओं, उनके प्रभावों और तस्करी के तरीकों के बारे में विस्तृत जानकारी अनजाने में कुछ प्रभावशाली छात्रों के लिए मार्गदर्शक के रूप में कार्य कर सकती है। उन्हें रोकने के बजाय, यह उन्हें वह ज्ञान दे सकता है जो उन्हें नहीं होना चाहिए। इसके अलावा, ऐसे क्लबों की स्थापना छात्रों को कलंकित कर सकती है। जो लोग इन क्लबों में शामिल होते हैं, उन्हें उनके साथियों द्वारा संभावित नशीली दवाओं के उपयोगकर्ता या अत्यधिक चिंतित व्यक्ति के रूप में लेबल किया जा सकता है। यह लेबलिंग छात्रों के बीच सामाजिक विभाजन और दबाव पैदा कर सकती है, जो शैक्षिक वातावरण के लिए प्रतिकूल है। यह विचार जूनियर और डिग्री कॉलेज के छात्रों के लिए अधिक उपयुक्त है। इन क्लबों को बनाने के बजाय, एक अधिक प्रभावी दृष्टिकोण यह हो सकता हैरू नशीली दवाओं की शिक्षा को मौजूदा पाठ्यक्रम में सूक्ष्मता से और उचित रूप से शामिल करनाय नशीली दवाओं के उपयोग के खतरों पर कभी–कभार कार्यशालाएँ आयोजित करने के लिए प्रशिक्षित पेशेवरों के साथ सहयोग करना, इसे स्कूल की गतिविधियों का केंद्रीय विषय बनाए बिनाय नशीली दवाओंध्पदार्थों के उपयोग के संकेतों का पता लगाने और प्रभावी परामर्श देने के लिए शिक्षकों को संवेदनशील बनाना और प्रशिक्षित करनाय और, बचने के तंत्र के रूप में नशीली दवाओं की अपील को कम करने के लिए एक सहायक और समझदार वातावरण बनाना। जबकि नशीली दवाओं की तस्करी विरोधी क्लबों के पीछे का इरादा सराहनीय है, मुझे लगता है कि छात्रों की जिज्ञासा को बढ़ाने और अनावश्यक जानकारी प्रदान करने के संभावित जोखिम लाभों से अधिक हैं। छात्रों को संवेदनशील बनाने के लिए जागरूकता अभियान चलाने के लिए पेशेवरों को काम पर रखना उन्हें केंद्रीय भूमिका निभाने देने के बजाय अधिक प्रभावी होगा।

# हमेशा शीर्ष पर बने रहने की चाहत होने के मायने

रामचंद्र

संयुक्त राज्य एक ऐसा देश है, जिसे मैं अपने देश के अलावा बेहतर ढंग से जानता हूं। मैं पहली बार वहां 38 साल पहले गया था। उसके बाद से कई बार आना–जाना हुआ। अमेरिका की मेरी आखिरी यात्रा 2023 में हुई, जब जो बाइडन राष्ट्रपति थे। मैंने तब करीब तीन सप्ताह वहां बिताए थे। तब अपने दोस्तों से बात करने और मेरे अपने आकलन से यह स्पष्ट था कि राष्ट्रपति ने अपने पद पर रहते हुए अमेरिका के लोगों के लिए बहुत अच्छे काम किए, जिससे उन्हें डोनाल्ड ट्रंप द्वारा किए जा रहे ध्रुवीकरण को पीछे छोड़ने में मदद मिली। फिर भी मुझे लगता था कि अपनी उम्र और कमजोरियों को देखते हुए बाइडन को दूसरे कार्यकाल के बारे में न सोचकर अपनी पार्टी को समय रहते बेहतर उम्मीदवार चुनने के बारे में बता देना चाहिए। ट्रंप के साथ बहस में खराब प्रदर्शन के बाद उन पर डेमोक्रेटिक दानदाताओं, कांग्रेसियों और सीनेटरों द्वारा उम्मीदवारी छोड़ने का दबाव बढ़ने लगा था। यह बात दुखद है कि बाइडन ने संकेतों पर



ध्यान न देते हुए दूसरे कार्यकाल के बारे में सोचा। सर्वेक्षणों में भी उन्हें अपने प्रतिद्वंद्वी से पिछड़ते हुए दिखाया गया था, हालांकि बाइडन ने कई सप्ताह तक कड़ी मेहनत की, जब तक कि उन्हें उम्मीदवारी छोड़ने के लिए मजबूर नहीं होना पड़ा। अपने पद से चिपके रहने की मौजूदा अमेरिकी राष्ट्रपति की हताशा व्यक्तिगत नहीं थी। यह एक संकेत है कि हर देश में सत्ता का सुख भोगने वाले और व्यावसायिक तौर पर सफल व्यक्ति किस तरह से व्यवहार करते हैं। यहां तक कि उस समय भी, जब वे शारीरिक और मानसिक रूप से कमजोर हो गए हों। ऐसे में ये लोग उन संस्थानों, समाज को नुकसान पहुंचाने लगते हैं, जिनकी वे सेवा करते हैं।

भारतीय परिप्रेक्ष्य में क्रिकेट के प्रशंसक इस तरह की घटनाओं से भली–भांति अवगत हो सकते हैं। जब कोई खिलाड़ी पैंतीस साल से ऊपर होता है तो उसके लिए पहले जैसा प्रदर्शन कर पाना मुश्किल होता है। उनमें से कुछ ही इन संकेतों को पहचान पाते हैं। सुनील गावस्कर इसके एक अपवाद हैं, जिन्होंने विश्व कप में शानदार बैटिंग करने के बाद खेल छोड़ दिया था। उनके सबसे अच्छे साथी गुंडप्पा विश्वनाथ को सही मायनों में बहुत पहले सेवानिवृत्त हो जाना चाहिए था। कपिल देव और सचिन तेंदुलकर भी काफी लंबे समय तक खेलते रहे। देखा जाए तो हर मामले में, चाहे वह सर्वाधिक टेस्ट विकेट लेने का हो या सबसे ज्यादा टेस्ट मैच खेलने का, व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा को टीम से ऊपर रखा गया। युवाओं को आगे बढ़ने देने के बजाय यह जो शीर्ष पर रहते हुए शक्ति का उपयोग करने की इच्छा है, यह खेल और राजनीति के बहुत आगे है। हमारे बहुत से उद्यमियों ने अपने द्वारा स्थापित निकायों को निर्देशित कर अपने पिछले योगदानों को कम कर दिया, जबकि उन्हें अपने से अधिक सक्षम युवाओं को यह मौका देना चाहिए था। हर कीमत पर लंबे समय तक शीर्ष पर बने रहने की इच्छा दुनियाभर में पाई जाती है। इस तरह की इच्छा बौद्धिक जीवन को भी प्रभावित करती है। उदाहरण के लिए, मुंबई से प्रकाशित अंतरराष्ट्रीय प्रतिष्ठा वाली पत्रिका 'इकोनॉमिक एंड पॉलिटिकल वीकली' (ईपीडब्ल्यू) को ले सकते हैं। यह एक ऐसी पत्रिका थी, जिसे भारत और दुनिया का हर विद्वान पढ़ने और छापने के लिए उत्सुक रहता था। पत्रकारों, नौकरशाहों और कार्यकर्ताओं ने भी ईपीडब्ल्यू में उतनी ही दिलचस्पी दिखाई, जितनी कि विद्वानों और शोधकर्ताओं ने। फिर भी हाल के कुछ सालों में पत्रिका की साख में गिरावट आई है। कभी भारतीय नेताओं की बहस का विषय तय करने वाली पत्रिका में अब कुछ ही अवसरों पर सार्थक और सशक्त निबंध छपते हैं। यह अब अपने पूर्व स्वरूप की धुंधली छाया बनकर रह गई है। ईपीडब्ल्यू में आई गिरावट दूसरे बौद्धिक संस्थान बेंगलुरु के राष्ट्रीय जैविक विज्ञान केंद्र (एनसीबीएस) के स्व–नवीनीकरण के बिल्कुल विपरीत है, जिससे मैं परिचित हूं। एनसीबीएस टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ फंडामेंटल रिसर्च की एक शाखा है, जिसकी स्थापना 1940 के दशक में मुंबई में की गई थी। अपने पहले डेढ़ दशक में इस शाखा पर भौतिक वैज्ञानिकों और गणितज्ञों का वर्चस्व रहा। हालांकि 1960 के दशक में इस शाखा ने एक प्रतिभाशाली युवा जीव विज्ञानी ओबैद सिद्दीकी को भर्ती किया, जिन्होंने 20 साल तक शाखा के मुख्य परिसर में अपनी सेवाएं दीं और वह एक नया जैविक अनुसंधान केंद्र की स्थापना करने के लिए बेंगलुरु चले गए। एनसीबीएस के बारे में मुझे सबसे अच्छी बात लगती है कि यह किसी भी भारतीय शैक्षणिक संस्थान की तुलना में सबसे कम पदानुक्रमित संस्थान है। यह कॉलेजियम और खुले बौद्धिक आदान–प्रदान की भावना से भरा हुआ है, जो वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान करने वाले ज्यादातर केंद्रों में नहीं है। आईआईटी में तो यह बिल्कुल नहीं है। यहां निदेशक अपने युवा सहकर्मियों के साथ अच्छा व्यवहार नहीं करते हैं, जो उनसे ज्यादा बेहतर शोध कर सकते हैं।

ओबैद सिद्दीकी को बेहद करीब से देखने के बाद मेरे मन में इस बात को लेकर कोई संदेह नहीं रह गया कि उन्होंने इस लोकतांत्रिक और भागीदारी वाले लोकाचार को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। जैसे ही निदेशक के तौर पर ओबैद सिद्दीकी का कार्यकाल पूरा हुआ, वे एनसीबीएस की डोर युवा हाथों में सौंपकर अपने शोध से जुड़ गए। अगर ओबैद सिद्दीकी प्रतिभावान नहीं होते तो शायद एनसीबीएस इतना फल–फूल नहीं पाता। किसी भी संस्था की स्थायी सफलता का एक अन्य कारण उसके द्वारा अपनाई गई शासन व्यवस्था की संरचना है।

# सीएमओ ने किया सीएचसी खंडासा व मिल्कीपुर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के साथ साथ सौ बेड कुमारगंज हास्पिटल का निरीक्षण

(डॉ अजय तिवारी
जिला संवाददाता)

अयोध्या। सोमवार को सीएमओ डॉ संजय जैन ने सीएचसी खंडासा एवं उसके अंतर्गत आने वाले प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के साथ साथ 100 बेड कुमारगंज हॉस्पिटल का आकस्मिक निरीक्षण किया। इस मौके पर उन्हें कुछ कर्मचारी अनुपस्थित मिले। सीएमओ डॉ संजय जैन ने अनुपस्थित रहे सभी कर्मचारियों से स्पष्टीकरण मांगा है,जो भी कर्मी स्पष्टीकरण नहीं देता है तो एक दिन का वेतन बाधित करने को निर्देशित संबंधित अधिकारियों को दिये। इसी प्रकार उन्होंने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मिल्कीपुर का भी निरीक्षण किया।जहां पर सभी अधिकारी कर्मचारी उपस्थित पाए गए। इस मौके पर सीएमओ एएनएम एवं सीएमओ की बैठक किया साथ ही सभी को निर्देशित किया कि मरीजों के बेहतर स्वास्थ्य हेतु उनका ठीक से परीक्षण एवं जांच की जाय।वर्तमान समय ने स्वास्थ्य विभाग द्वारा चलाए जा रहे कार्यक्रम की समीक्षा किया।विशेष संचारी रोग नियंत्रण एवं दस्तक अभियान,स्टॉप डायरिया प्रोग्राम,बाल स्वास्थ्य पोषण माह,विश्व जनसंख्या माह एवं टीकाकरण के अंतर्गत मरीजों को बेहतर इलाज किया जाय।इस मौके पर निरीक्षण के दौरान परिसर में मिली गंदगी को साफ –सुथरा रखने का निर्देश दिया।दवाओं और अन्य स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता की जाय।उन्होंने कहा कि डॉक्टर की उपलब्धता 24 घंटे की हो।इमरजेंसी रूम को व्यवस्थित रखकर इनडोर पेशेंट की संख्या बढ़ाई जाय।बाहर की दवाओं को मरीजों को न लिखा जाए।सीएमओ डॉ संजय जैन ने कहा कि जनता को स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने के लिए शासन की मंशा के अनुरूप बेहतर कार्य करने के लिए प्रेरित किया, साथ ही स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता और उपलब्धता के लिए प्रतिदिन सेवाएं प्रदान करने को कहा।

# केवाईसी के नाम पर पैसा वसूली में डीएसओ ने किया दुकान निरस्त

(डॉ अजय तिवारी
जिला संवाददाता)

अयोध्या। जिला पूर्ति अधिकारी ब्रजेश मिश्र ने केवाइसी के लिए रुपया वसूलने वाले कोटेदार राम जियावन की दुकान को निरस्त कर दिया है।इस संबंध में जिला पूर्ति अधिकारी श्री मिश्र ने बताया कि कोटेदार ने समय सीमा के भीतर अपना कोई जवाब भी नही दिया था और दुकान का निरीक्षण करने पर दुकान बंद मिली है।जिला पूर्ति अधिकारी श्री मिश्र ने सभी कोटेदारों को चेतावनी दिया है अगर किसी कोटेदार की भी अवैध वसूली में लिप्त होने की शिकायत मिली तो जांच कराने के उसके खिलाफ कठोर कार्यवाही की जायेगी।बता दे कि जिला पूर्ति अधिकारी ब्रजेश मिश्र ने कार्य भार लेने के बाद से सप्लाई दफ्तर में बैठने वाले दलालो व निजी मुंशियो पर शिकंजा कसा।

# प्रभारी निरीक्षक कोतवाली अयोध्या के मुताबिक धर्म परिवर्तन कराने के खिलाफ आधा दर्जन आरोपियों पर मुकदमा दर्ज

(डॉ अजय तिवारी
जिला संवाददाता)

अयोध्या। रविवार को कोतवाली अयोध्या क्षेत्र के दर्शननगर स्थित साईं का पुरवा में आयोजित प्रार्थना सभा में बजरंग दल समेत अन्य संगठनों के लोगों ने पहुंचकर हंगामा किया।जिसके बाद दोनों पक्षों में नोंक–झोंक हुई। वही आयोजन से जुड़े दो लोगों को अपने साथ दर्शननगर चौकी लाकर इस प्रकरण में पुलिस ने शिकायत पर धर्म परिवर्तन प्रतिषेध अधिनियम के तहत रिपोर्ट दर्ज कर आयोजन से जुड़े पांच लोगों से पूछताछ करने में जुटी रही। पुलिस ने महराजगंज थाना क्षेत्र के पूराबाजार नारा निवासी छविनाथ सिंह की शिकायत पर साईं का पुरवा दर्शननगर निवासी उदयराज, उसके बेटे आकाश व अभिषेक,पत्नी विमला देवी तथा चिन्तादेवी पत्नी धर्मवीर व रघुवीर को नामजद करते हुए धर्म परिवर्तन प्रतिषेध अधिनियम, निषेधाज्ञा के अतिक्रमण आदि धाराओं में नामजद रिपोर्ट दर्ज कर मामले की छानबीन में जुटी हुई है।इस संबंध में प्रभारी निरीक्षक कोतवाली अयोध्या मनोज कुमार शर्मा ने बताया कि उक्त प्रकरण में रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है।पुलिस आयोजन से जुड़े दो महिलाओं समेत पांच लोगों से पूछताछ कर रही है।

# सपा ने अधोषित बिजली कटौती नहरो में पानी न आने व अन्य मांगों को लेकर 8 सूत्रीय मांग पत्र जिला अधिकारी को सौंपा

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जिले में लगातार अघोषित बिजली कटौती नहरों में पानी न आने से किसानों को हो रहे परेशानी लगातार ट्रांसफार्मर के ट्रिप होने के अलावा जिले की अन्य तमाम समस्याओं को लेकर सोमवार को समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष राकेश मौर्य ने कलेक्ट्रेट परिसर पहुंचकर 8 सूत्रीय मांगपत्र जिलाधिकारी रविंद्र कुमार मांदड़ को सौंपा। मांग पत्र को देते हुए उन्होंने मांग किया की शहर और ग्रामीण क्षेत्रों में रोस्टर के हिसाब से बिजली आपूर्ति कराने, खराब ट्रांसफार्मर को तत्काल बदलने, जर्जर तारों को तत्काल ठीक कराने, हाईटेंशन तारों को ठीक कराने, शहर एवं ग्रामीण क्षेत्रों में टूटी सड़कों का निर्माण कराने, किसान हित में सिंचाई और रोपाई हेतु नहरों में टेल तक समय से पानी पंहुचाने, छुट्टा पशुओं से हो रही कृषि हानि तथा जनहानि से सुरक्षा के उपाय तत्काल किए जाने, तथा बढ़ते अपराध पर अंकुश लगाने हेतु कानून व्यवस्था ठीक कराने सहित अन्य जनहित के मुद्दों के निराकरण की मांग किया। जिलाधिकारी ने जिला अध्यक्ष को आश्वस्त किया कि उन्होंने पहले ही किसानों की सिंचाई के लिए शारदा सहायक खंड नहर परियोजना के अधिकारियों के साथ बैठक कर नहरों में पानी छोड़ने के लिए कहा है साथ ही विद्युत आपूर्ति के लिए भी व्यवस्था की जा रही है। सड़कों को लेकर नमामि गंगे परियोजना के अधिकारियों के साथ बैठक कर जल्द से जल्द सड़कों को ठीक करने के निर्देश दिए जा चुके हैं। ज्ञापन देने वालों में मुख्य रूप से पूर्व विधायकधजिलाध्यक्ष लालबहादुर यादव, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष राजबहादुर यादव, वरिष्ठ नेता राजनाथ यादव, शिवसरण कुशवाहा, जिला महासचिव आरिफ हबीब अजय श्रीवास्तव आदि उपस्थित रहे।

# सभी शिक्षक समय सारिणी के अनुसार ही शिक्षण कार्य करें – डा. अम्बिकेश त्रिपाठी

(डॉ अजय तिवारी
जिला संवाददाता)

अयोध्या। सभी शिक्षक तय किए गए समय सारिणी के मुताबिक ही शिक्षण कार्य सम्पन्न करे। जिससे एक ओर शिक्षकों को शिक्षण कार्य करते हुए कोई कठिनाई नहीं होगी वही छात्रों को शिक्षा ग्रहण करने मे भी किसी तरह की परेशानी नहीं उत्पन्न होगी।यह बातें पूर्व माध्यमिक विद्यालय रामपुर भगन मे बच्चों की डेमो क्लाश लेते हुए डाक्टर अंबिकेश त्रिपाठी ने कही।उन्होंने वहां पर विज्ञान विषय की कक्षा का अवलोकन करने के उपरान्त विज्ञान विषय का शिक्षण कार्य कर रही शिक्षिका श्रीमती मीनाक्षी रस्तोगी के शिक्षण कौशल और पठन पाठन के तरीकों की सराहना किया।इस मौके पर डॉ त्रिपाठी ने बच्चों की डेमो क्लास लेते हुए सभी बच्चों से परिवेश में उपलब्ध जीवों और पौधों पर चर्चा करते हुए छोटे – छोटे प्रोजेक्ट कार्य और प्रयोग करने के विषय में विस्तार से चर्चा की। शिक्षण कार्य के दौरान आवश्यकतानुसार दीक्षा कॉन्टेंट को भी उपयोग में लाने के विषय में शिक्षकों से चर्चा की।सभी शिक्षकों के साथ बैठक करते हुए डॉ त्रिपाठी ने कहा कि सभी शिक्षकों को अपनी शिक्षण योजना के अनुसार ही टीएलएम का उपयोग करते हुए रोचक ढंग से गतिविधि आधारित शिक्षण कार्य किया जाना चाहिए। सभी शिक्षक समय सारिणी के अनुसार ही पूरी तैयारी के साथ शिक्षण कार्य करें, जिससे सभी बच्चों का विषय वार सीखना सुनिश्चित किया जा सके और उसके साथ – साथ मासिक पाठ्यक्रम विभाजन के अनुसार सभी पाठों को समय से पूरा भी किया जा सके।प्रतिदिन सभी शिक्षक नियमित रूप से अपनी शिक्षक डायरी भरते हुए योजनाबद्ध ढंग से शिक्षण कार्य करने हेतु सभी को प्रेरित किया गया। गणित किट और विज्ञान किट का उपयोग भी कक्षा शिक्षण के दौरान अनिवार्य रूप से किए जाने पर विस्तार से चर्चा की गई।पुस्तकालय की पुस्तकों को बच्चों के उनकी कक्षा और रुचि के अनुसार उपलब्ध कराते हुए पुस्तकों को पढ़ने सम्बन्धी आदत का विकास करने हेतु प्रतिदिन पुस्तकें इश्यू की जाएं, जिससे बच्चों में पढ़ने की क्षमता का विकास भी हो सके।डॉ त्रिपाठी ने पूर्व माध्यमिक विद्यालय रामपुर भगन के सात छात्रों का चयन राष्ट्रीय आय एवं योग्यता आधारित छात्रवृत्ति परीक्षा में होने पर विद्यालय के सभी शिक्षकों को बधाई दी।

# माहेश्वरी महासभा का प्रथम अधिवेशन नैमिषारण्य के व्यासपीठ आश्रम में आयोजित किया गया

ब्यूरो चीफ आर एल पांडेय

नैमिषारण्य, सीतापुर। पौराणिक तीर्थ व 88 हजार ऋषियों की तपस्थली पर अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महा सभा के प्रथम अधिवेशन पर उत्तर प्रदेश व पूर्वी उत्तर प्रदेश के 33 जिलों से आये माहेश्वरी महासभा परिवार के सदस्य एक साथ एकत्रित हुए। दिनाँक 27 व 28 जुलाई को माहेश्वरी महासभा के प्रथम अधिवेशन नैमिषारण्य के व्यासपीठ आश्रम में आयोजित किया गया।जहाँ पूर्वी उत्तर प्रदेश के सभी पदाधिकारी गण उपस्थित रहे इस अधिवेशन में माहेश्वरी महासभा का महिला प्रकोष्ठ भी शामिल रहा। कार्यक्रम में माहेश्वरी समाज के लिए उत्कृष्ट कार्य व लोक सेवा करने वाले लोगो को सम्मानित किया गया जिन्होंने समाज के लिए शैक्षिक ,आर्थिक ,व शारीरिक भूमिका निभाई माहेश्वरी समाज ने समय समय पर उनके पुनर्बलन के लिए उनका सम्मान किया है इस अधिवेशन के दिन कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान उमा महेश का पूजन अर्चन कर किया गया। माहेश्वरी समाज के लिए विशिष्ट कार्य करने वाली महिलाओं को सम्मानित किया गया तथा महिलाओं ने कार्यक्रम को पारंपरिक ढंग से बखूबी निभाया भी महिला प्रकोष्ठ के द्वारा अधिवेशन में विभिन्न सांस्क्रतिक कार्यक्रम आयोजित किये गए वहीं अखिल भारतीय माहेश्वरी महासभा के महामंत्री अजय काबरा ने अपने समाज को सम्बोधित करते हुए कहा कि समाज हर किसी की मदद को तैयार है माहेश्वरी महासभा शिक्षा व स्वास्थ्य पर जोर तो देते हुए महासभा के कहां एक फंड इकट्ठा किया जाएगा जिसे जरूरत मंद लोगो मे वितरित किया जाएगा जिससे वे आगे बढे उन्होंने कहा कि आज किसी एक समाज की नहीं बल्कि सभी समाजों की समस्या हैं। तलाक के तीन प्रमुख कारण है उनमें तलाक का सबसे बड़ा कारण बेमेल विवाह हैं। सहनशक्ति की कमी एवं महत्वाकांक्षा बढने से भी तलाक की समस्या बढ़ी हैं किसी भी परिवार में दो लड़किया होने पर उस महिला का सम्मान किया जाता है। वही तीसरी लड़की होने पर महासभा की ओर से सहायता राशि भी उपलब्ध कराई जा रही है। ताकि बेटियों को सम्मान मिल सकेउन्होंने अपने सम्बोधन में माहेश्वरी समाज के उत्थान के लिए तीन महत्वपूर्ण प्रस्ताव पास किये जिनमे तीन बच्चों पर 31हजार की धनराशि उसके माता पिता को देकर पुरुस्कृत किया जाएगा ।तथा माहेश्वरी समाज में तीन बच्चे होने पर माता पिता का माहेश्वरी समाज सम्मान करेगातथा दिन में विवाह करने वाले परिवार को भी महासभा सम्मानित करेगी उन्होंने बताया आधुनिक चकाचौंध में लोग रात्रि में विवाह करते जिसमे अत्यधिक व्यय होता है धन का दुरुपयोग न हो इस वास्ते यह विचार किया गया है !कन्या के जन्म पर परिवार को पुरस्कृत किया जाएगा तथा बच्ची के नाम एफडी कराई जाएगी एवम एक लाख रुपये का हेल्थ बीमा कराया जाएगा इस अधिवेशन के सत्र में माहेश्वरी समाज के जोधपुर महासभा के सचिव अजय काबरा ,पूर्वी उत्तर प्रदेश के मीडिया प्रभारी विनोद माहेश्वरी ,स्वगताध्यक्ष देव कृष्ण चांडक,पूर्वी उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष वीरेंद्र कुमार,सचिव रविन्द्र गांधी,राम माहेश्वरी ,नवल माहेश्वरी,विनोद प्रकाश, विनम्र महेश्वरी गोविंद भूरा राडिया निखिल महेश्वरी राष्ट्रीय युवा संगठन माहेश्वरी महासभा , संजीव सोमानी, बिट्स पिलानी के पूर्व चांसलर डॉ लक्ष्मीकांत महेश्वरी डॉक्टर देवकीनंदन माहेश्वरी देवकिशन चांडक अंशु महेश्वरी तथा 33 जिलों के माहेश्वरी महासभा के पदाधिकारी व पारिवारिक सदस्य गणों की उपस्थित रही । रक्तदान शिविर लगाने पर बांगर ट्रस्ट द्वारा 25000 का अनुदान दिया जाएगा ऐसे विभिन्न योजनाओं के बारे में समाज में अलग–अलग ट्रस्ट सहयोग कर रहे हैं कार्यक्रम के अंत में हनुमान चालीसा का पाठ एवं राष्ट्रगान गाकर समाप्त हुआ।

# अब कांग्रेस में सेवादल की होगी भूमिका अहम प्रदेश अध्यक्ष ने ली बैठक

(डॉ अजय तिवारी
जिला संवाददाता)

अयोध्या। जहां कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने रविवार 28 जुलाई को सेवा दल के पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं के साथ एक बैठक लखनऊ के पीसीसी कार्यालय में की जिसमें प्रदेश के सेवादल के कार्यकर्ता पदाधिकारी लखनऊ पहुंचे बैठक में इस बात पर जोर दिया गया कि अब कांग्रेस की सेवा दल को सक्रिय किया जाएगा और उनकी भूमिका चुनाव में या और कार्यों में अहम होगी इसके लिए प्रदेश के जिले भर में जल्द ही कैंप लगाया जाएगा और कांग्रेस की रीति नीति को सेवा दल घर–घर पहुंचाएगी आपको बताते चलें कि कांग्रेस की रीड़ मनी जाने वाली सेवादल बीच में निष्क्रिय हो गई थी और कांग्रेस सेवादल को बहुत ज्यादा तवज्जो नहीं दे रही थी लेकिन अब कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं को शायद सेवा दल की कमी महसूस होने लगी इस लिए कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने सेवा दल के पदाधिकारी कार्यकर्ताओं के साथ बैठक कर सेवा दल को बड़ी जिम्मेदारी देने की संकेत दिए और इसके लिए जल्द ही प्रदेश के हर जिले में सेवादल कैंप लगाया जाएगा और यही नहीं सेवा दल में बहुत से बदलाव भी देखने को मिल सकते हैं कुछ जिलों के नए जिला अध्यक्ष होंगे और पदाधिकारी में भी बदलाव के संकेत दिए गए हैं इसका उद्देश्य है की कांग्रेस को प्रदेश में दोबारा बढ़िया स्थान दिलाना अब देखना यह होगा की सेवा दल के साथ कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय की बैठक का असर कब तक देखने को मिल सकता है सेवादल के पदाधिकारी कार्यकर्ता भी उत्साहित है कि कांग्रेस ने सेवा दल को भी जरूरी मानते हुए उसको सक्रिय करने और जिम्मेदारी देने का फैसला किया है।

# रामपथ पर स्थित प्राचीन हनुमान मंदिर प्रकरण को लेकर मंडलायुक्त से मिला प्रतिनिधिमंडल

(डॉ अजय तिवारी
जिला संवाददाता)

अयोध्या। राम पथ निर्माण के दौरान प्रशासन द्वारा ध्वस्त एक किए गए प्राचीन शिव हनुमान मंदिर के पुनर्स्थापित की मांग को लेकर एक मांग पत्र पंचायती मंदिर के प्रमुख सदस्य एवं वरिष्ठ अधिवक्ता राकेश वैद्य, हिंदू महासभा के राष्ट्रीय प्रवक्ता अधिवक्ता मनीष पांडेय, अधिवक्ता परिषद के जिला उपाध्यक्षअधिवक्ता राजीव शुक्ला, के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल मंडलायुक्त गौरव दयाल को सौंपा गया, मंडलायुक्त ने पूरे प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए जांच के आदेश जिलाधिकारी अयोध्या को दिए दिया है,मांग पत्र में कहा गया है कि अयोध्या शहर में स्थित सीतापुर आंख अस्पताल के तिराहे पर लगभग 40–50 वर्ष पूर्व प्राचीन शिव हनुमान मंदिर की स्थापना पंचायती मंदिर के द्वारा की गई थी, राम पथ निर्माण के चौडीकरण में स्थापित प्राचीन शिव हनुमान मंदिर को कुछ समय के लिए प्रशासन के आदेश से वैकल्पिक व्यवस्था के तहत हटा दिया गया था, इस दौरान मंदिर में मौजूद विग्रह को राम जानकी मंदिर साहिबगंज में कुछ दिनों के लिए रखवा दिया गया था, प्राचीन शिव हनुमान मंदिर से भक्तों की आस्था और श्रद्धा जुड़ी हुई है , वर्तमान स्थान पर विग्रहों की पूजा अर्चना में असुविधा को देखते हुए मंदिर के उत्तर दिशा में कुछ भूमि खाली है इस खाली भूमि में शिव हनुमान मंदिर की स्थापना हेतु व्यवस्था कराया जाना अस्तित्व अत्यंत आवश्यक व न्याय संगत है, शिकायत की पत्र में यह भी कहा गया कि इस संबंध में मंदिर के सदस्य कारण श्रीमान जी से वह अपर जिला अधिकारी नगर से पूर्व में मिले थे इस दौरान मंदिर की पुनर्स्थापना को लेकर आप ने बातें विस्तार से रखी गई, इस संबंध में महोदय द्वारा मंदिर को पुनः स्थापित करने के विचार को लंबित रखा गया प्रतिनिधिमंडल ने जिलाधिकारी के समक्ष अपनी मांग को रखते हुए यह कहा कि भक्तगणों में श्रद्धा और आस्था को देखते हुए प्राचीन शिव मंदिर को पुनः सीतापुर आंख अस्पताल के सामने उत्तर दिशा में जहां खाली भूमि पड़ी हुई है इस खाली भूमि के स्थान को निश्चित करते हुए मंदिर की स्थापना करने हेतु आदेश प्रदान किया जाए, इस पर जिलाधिकारी ने कहा कि भक्तों की आस्था व श्रद्धा को देखते हुए एवं मंदिर की प्राचीनता को देखते हुए इस विषय पर में व्यक्तिगत रूप से प्रयास करूंगा ज्ञापन देने वाले प्रमुख लोगों में अधिवक्ता राकेश वैद्य सदस्य पंचायती मंदिर, मनीष पांडेय राष्ट्रीय प्रवक्ता हिंदू महासभा, अधिवक्ता राजीव शुक्ला उपाध्यक्ष अधिवक्ता परिषद, अनुभव जायसवाल पूर्व महामंत्री भाजपा , पंडित ओंकार नाथ तिवारी,अंकित वैद, मुकुल वैद ,आयुष वैद्य, तारकेश्वर नाथ, संयम कृष्णा, ऋषभ वैद्य, रामखेलावन, रजनीश वैद, शुभम वैद, रितेश कुमार,इत्यादि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

# प्रज्ञा प्रवाह उन्मेष युवा आयाम की बैठक संपन्न

जौनपुर। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक एवं प्रज्ञा प्रवाह केंद्रीय टोली के सदस्य रामाशीष सिंह जी तथा प्रज्ञा प्रवाह युवा आयाम काशी प्रान्त के संयोजक डॉ शौरभ कुमार शांतनु जी के नेतृत्व में प्रज्ञा प्रवाह युवा आयाम (जौनपुर मंडल) की बैठक सम्पन्न हुई। 28 जुलाई को यह बैठक प्रज्ञा प्रवाह युवा आयाम के विभाग प्रमुख डॉ कुँवर शेखर के आवास पर हुई। बैठक में प्रज्ञा प्रवाह युवा आयाम के सभी सदस्यों को श्रीमान रामाशीष जी ने प्रज्ञा प्रवाह युवा आयाम की भूमिका, कार्य एवं उद्देश्य को साझा किया तथा सदस्यों को आगे की कार्यवाही के दिशा निर्देश प्रदान किया। युवा आयाम प्रान्त संयोजक डॉ शौरभ कुमार शांतनु जी ने संगठन के विस्तार हेतु कुछ सलाह दीये तथा शिक्षा जगत से जुड़े हुए भारतीयता की भावना को अपने व्यक्तित्व में समाहित किये हुए युवाओं को इस वैचारिक आंदोलन से जोड़ने की सलाह दी। संगठन के युवा आयाम प्रमुख डॉ कुँवर शेखर जी ने विश्वास दिलाया कि प्रज्ञा प्रवाह युवा आयाम की जौनपुर मण्डल, संगठन के उद्देश्य के अनुसार वैचारिक योद्धा तैयार करने तथा उनके विचारों को समाज में पहुंचाने का कार्य करेगा।

इस अवसर पर प्रज्ञा प्रवाह के जौनपुर मण्डल के संयोजक श्रीमान संतोष त्रिपाठी जी, मण्डल सह संयोजक श्री संतोष सिंह वत्स जी, राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के जिला प्रचारक श्रीमान रजत जी, प्रज्ञा प्रवाह जिला जौनपुर के संयोजक डॉ कीर्ति सिंह जी, गीतांजलि संस्था के अध्यक्ष डॉ ब्रम्हेश शुक्ल जी, समाजसेवी श्री मनोज तिवारी जी, सुशील सिंह जी (सदस्य प्रज्ञा प्रवाह) तथा युवा आयाम के सदस्य डॉ राज पाण्डेय, डॉ उज्जवल सिंह, डॉ संजय सिंह, नरेन्द्र कुमार, शुभम यादव, अमित पाण्डेय, अवनेंद्र सिंह, विमलेश सिंह, नवीन शेखर, प्रतीक यादव, उपस्थित रहे। बैठक के समापन पर आए हुए सभी गणमान्य जनों के प्रति धन्यवाद ज्ञापन प्रज्ञा प्रवाह युवा आयाम, जौनपुर के संयोजक श्री अनिरुद्ध त्रिपाठी जी ने किया।

# स्टडी हॉल की छात्रा ने CUET परीक्षा में 800 में से 800 अंक हासिल किए

ब्यूरो चीफ आर एल पांडेय

लखनऊ। स्टडी हॉल की हाल ही में पास हुई छात्रा, जोहा अजीम ने सेंट्रल यूनिवर्सिटी एंट्रेंस टेस्ट परीक्षा में 800 में से 800 अंक हासिल किए। यह परिणाम स्कूल की उत्कृष्ट अकादमिक प्रतिभा, विशेषकर लड़कियों, को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है, जिसमें तीन और छात्रों, उर्जा, ऋद्धि और हर्षिता ने क्रमशः 794, 788 और 786 अंक हासिल किए। स्टडी हॉल की छात्राओं ने एक बार फिर हम सबका गौरव बढ़ाया है। इन्होंने साबित किया है कि मेहनत और रूचि से जो कुछ भी प्रयास किये जाएं, वे रंग जरूर लाते हैं। हमारे सारे उत्तीर्ण विद्यार्थियों को बहुत बहुत शुभकामनाएं। जोहा के माता–पिता, समीना अख्तर सिद्दीकी और अजीम खान, ने अपनी खुशी और गर्व व्यक्त करते हुए कहा, "हम बेहद खुश हैं की जोहा की मेहनत रंग लायी। जोहा ने अपनी तैयारी के बारे में बताते हुए कहा कि उन्होंने हर विषय में पैटर्न को पहचानने की कोशिश की और इसे वास्तविक जीवन के अनुभवों से जोड़ना सबसे ज्यादा मददगार रहा। जोहा अपने सफलता का बड़ा हिस्सा स्टडी हॉल के शिक्षण शैली को मानती हैं। विशेष रूप से उन तकनीकों पर जोर देते हुए जो उन्होंने अपनी तैयारी में अपनाए। इसके अलावा, यह सह–पाठयक्रम गतिविधियों पर भी उतना ही जोर देता है जितना कि पुस्तकीय ज्ञान पर, जिसने उन्हें रटने की बजाय अध्ययन करते समय महत्वपूर्ण सोच कौशल को लागू करने में मदद की। जोहा अब कॉलेज में इतिहास पढ़ना चाहती हैं। यह उनका सातवीं कक्षा से पसंदीदा विषय रहा है और वह इतिहास में एक अकादमिक करियर बनाना चाहती हैं। ष्मैं जीवन में जो कुछ भी करूं मैं चाहूंगी कि वह कहानी कहने का एक माध्यम हो।ष् जोहा अजीम की यात्रा यह दिखाती है कि कैसे कड़ी मेहनत और स्टडी हॉल के सहयोगी वातावरण ने उन्हें सफलता दिलाई है।

# अंतर्राष्ट्रीय स्तर की लाइटों से जगमग होगा अयोध्या का राम मंदिर

(डॉ अजय तिवारी
जिला संवाददाता)

अयोध्या। रामनगरी में प्रभु राम का भव्य मंदिर तीव्र गति के साथ दिनों दिन बन रहा है।राम मंदिर का निर्माण दिन और रात किया जा रहा है।मंदिर निर्माण में लगभग 4000 से अधिक मजदूर कार्य कर रहे हैं. मंदिर का निर्माण दिसंबर तक पूरा हो, इसको लेकर मंदिर निर्माण में लगी कार्यदाई संस्था और भवन निर्माण समिति की प्रत्येक महीने दो दिवसीय बैठक होती है।जिस पर महत्वपूर्ण बिंदुओं पर निर्णय भी लिया जाता है। मंदिर का निर्माण दिसंबर तक पूरा हो जाएगा। तो मंदिर दिन की तरह रात में कैसे अद्भुत और अलौकिक दिखे इसको लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर की फसाड लाइट लगाने की योजना राम मंदिर ट्रस्ट ने तैयार कर लिया है।राम मंदिर ट्रस्ट के मुताबिक अयोध्या का राम मंदिर अंतरराष्ट्रीय स्तर का है,तो उस मंदिर की भव्यता और दिव्यता भी अंतरराष्ट्रीय स्तर की दिखे। जिसको लेकर अब अंतरराष्ट्रीय स्तर की लाइटिंग भी अयोध्या के राम मंदिर में लगाई जाएगी. जिसको लेकर देश की विभिन्न कंपनियों ने ट्रस्ट के पदाधिकारियों के सामने प्रेजेंटेशन भी दिए। जल्द ही कौन सी लाइट राम मंदिर में लगे ताकि राम मंदिर की भव्यता मंदिर की शोभा भव्य और दिव्य दिखे, इसको लेकर अब जल्द ही निर्णय लिया जाएगा। यानी कि अयोध्या का भव्य मंदिर अब अंतरराष्ट्रीय लाइटों से जगमग होगा।श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के सदस्य डॉक्टर अनिल मिश्रा ने बताया कि दिसंबर तक मंदिर का निर्माण पूरा हो जाएगा, तो लाइटिंग की व्यवस्था भी ठीक होनी चाहिए. जिस तरह अंतरराष्ट्रीय स्तर का मंदिर बन रहा है उस पर इस प्रकार की फसाड़ लाइटिंग की व्यवस्था हो उसके लिए आज कई कंपनियों ने अपनी फसाड़ लाइट का प्रेजेंटेशन भी दिया है।

# बीडीओ ने नियमों का उल्लंघन कर किया 21 लाख का भुगतान

कानपुर, संवाददाता। कानपुर में मनरेगा योजना के तहत हुए पक्के निर्माणों में इस्तेमाल किए गए मैटीरियल के भुगतान की खातिर धनराशि निकालने के लिए शुक्रवार को 30 मिनट पोर्टल खुला। इस दौरान करीब 1.50 करोड़ रुपये की धनराशि निकाली गई। इसमें शिवराजपुर के खंड विकास अधिकारी (बीडीओ) ने नियमों को दरकिनार कर छह फंड ट्रांसफर ऑर्डर (एफटीओ) बनाकर करीब 21.36 लाख रुपये का भुगतान फर्मों को कर दिया। इसमें पांच एफटीओ ऐसे थे, डेढ़ लाख से ऊपर थे। नियमानुसार एक एफटीओ से 1.50 लाख से ज्यादा का बिल नहीं बना सकते। मनरेगा के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में कच्चे–पक्के निर्माण होते हैं। निवर्तमान प्रधानों ने बीते वर्ष करीब 13 करोड़ रुपये के पक्के काम करवाए थे। मजदूरी का भुगतान तो हो गया, लेकिन मैटीरियल का भुगतान मार्च से नहीं हो पाया था। शुक्रवार को शासन ने प्रदेशभर में ऑनलाइन भुगतान के लिए पोर्टल खोला था। तीस मिनट में ही पक्के कार्य का पैसा समाप्त हो गया। जिले के 10 बीडीओ ने अपने डोंगल के माध्यम से करीब 1.50 करोड़ रुपये निकाले। शिवराजपुर बीडीओ आशीष मिश्रा ने छह अलग–अलग एफटीओ (9.77 लाख, 4.55 लाख, 3.10 लाख, 2.32 लाख, 1.60 लाख, 25 हजार रुपये) लगाकर कुल 21.36 लाख का भुगतान कर दिया। मनरेगा उपायुक्त ने जब बीडीओ से पूछताछ की तो एपीओ मनरेगा, कंप्यूटर ऑपरेटर पर आरोप लगा इन्हीं को नोटिस जारी कर जवाब–तलब कर लिया।

नियमों का उल्लंघन कर भुगतान करने की जानकारी हुई है। इसकी पोर्टल से जानकारी हासिल कर बीडीओ से जवाब–तलब किया जाएगा। गलत भुगतान किया है तो कार्रवाई होगी। नियमों का उल्लंघन कर भुगतान करने के मामले में बीडीओ को नोटिस जारी कर जवाब मांगा गया है। साथ ही मामले की जांच भी कराई जाएगी। दोषी पाए जाने पर कार्रवाई की जाएगी।

# देवर ने किया पैतृक जमीन पर कब्जा, रास्ते में लगा दिया है टट्टर

कानपुर, संवाददाता। कानपुर में थाना समाधान दिवस पर जिलाधिकारी राकेश कुमार सिंह ने नौबस्ता और सेन पश्चिम पारा में शिकायतें सुनीं। नौबस्ता में पांच और सेन पश्चिम पारा थाने में चार मामले पहुंचे। उन्होंने सभी मामले गुणवत्ता पूर्ण निस्तारित करने के निर्देश दिए। नौबस्ता निवासी सुनीता ने 200 गज के पैतृक मकान पर देवर के कब्जा करने की शिकायत की। इसके बाद सूरज मिश्रा ने शिकायत की कि उनके घर के सामने टट्टर डालकर मार्ग बंद करने कर दिया गया। इसी तरह लालपुर हंसपुर नौबस्ता निवासी दयाराम कुशवाहा ने मकान पर कब्जा करने की शिकायत की। डीएम ने जांच कर

समस्याएं निस्तारित करने के निर्देश दिए। थाना समाधान दिवस रजिस्टर में ज्यादातर मामलों में चालान की कार्रवाई होने पर उन्होंने इंस्पेक्टर से दोनों पक्षों को बुलाकर समझौते के आधार पर मामलों का निस्तारण करने के निर्देश दिए।

बर्रा थाने में पत्नी पत्नी, मां–बेटे और पिता पुत्र के बीच के पारिवारिक विवाद के मामले आए। यहां डीसीपी साउथ रविंद्र कुमार व एडीएम राजेश कुमार ने मामलों की सुनवाई की। यहां दंपती के बीच विवाद को लेकर तीन घंटे तक पंचायत चली।

## संक्षिप्त खबरें

# कूलर में उतरे करंट से युवक की मौत

बांदा, संवाददाता। कूलर में प्रवाहित करंट से युवक की मौत हो गई। शहर कोतवाली क्षेत्र के छाबी तालाब क्योटरा पहाड़ तले निवासी गौतम (30) शुक्रवार की रात नौ बजे करीब अपने घर में खाना खा रहा था। खाने के बाद उसने अपनी थाली कूलर के ऊपर रख दी। कूलर में करंट आने के चलते वह थाली समेत चिपक गया। मौके पर मौजूद पत्नी ने कूलर का प्लग निकाला, तब तक उसने गिरकर दम तोड़ दिया। भाई कौशल ने बताया कि सात भाइयों में पांचवे नंबर का था। पत्नी सुमित्रा व एक चार साल की बेटी है। गौतम बेलदारी का काम करता था। शहर कोतवाल पंकज सिंह ने बताया कि करंट लगने से मौत हुई है। शव का पोस्टमार्टम कराया गया है।

## पत्नी ने साथ चलने से मना किया तो युवक ने फंदा लगाकर दी जान

बांदा, संवाददाता। ससुराल आए युवक ने रात में घर चलने के लिए कहा तो पत्नी ने मना कर दिया। इस पर दोनों के बीच विवाद हो गया। इस पर युवक ने ससुराल में फंदा लगाकर जान दे दी। फतेहपुर के ललौली थाना क्षेत्र के सितुवा डेरा निवासी धर्मपाल (22) शुक्रवार को सुबह ससुराल चिल्ला थाना क्षेत्र के चकला गांव गया था। रात में कमरे में साड़ी में लगी लेस की पट्टी से फंदा लगा लिया। शनिवार की सुबह पत्नी रेखा सोकर उठी तो धर्मपाल को फंदे से लटका देखा। शोर मचाकर परिजनों को जानकारी दी। रेखा ने बताया कि धर्मपाल मुंबई में ठेके पर मजदूरी करता था। वह शुक्रवार को सुबह ससुराल आया था। रात में घर चलने के लिए कहा तो मना कर दिया। कहा कि एक–दो दिन रुक लो फिर चलेंगे। इस पर उसने कहा कि उसे वापस मुंबई जाना है। इसी बात को कहासुनी हो गई थी। बताया कि वह जनवरी में डिलीवरी के लिए मायके आई थी। चार जुलाई को बेटा पैदा हुआ है। धर्मपाल तीन भाइयों में बड़ा था। चिल्ला थानाध्यक्ष संदीप सिंह ने बताया कि रात में पति–पत्नी का आपसी विवाद हुआ है। इसी के चलते फंदा लगाकर खुदकुशी की है। शव का पोस्टमार्टम कराया गया है।

## विद्युत बदहाली से जूझ रहे ग्रामीणों का बिजलीघर पर हंगामा किया

शामली, संवाददाता। मेरठ–करनाल हाईवे स्थित गांव लक्ष्मणपुर में ट्रांसफार्मर के खराब होने के कारण विद्युत आपूर्ति ठप है। ग्रामीण शनिवार को बिजलीघर पर पहुंचे और हंगामा किया। बिजली अधिकारी ने बताया कि गांव में छह दिनों में तीन ट्रांसफार्मर बदले जा चुके हैं। ट्रांसफार्मर में कमी होने के कारण यह समस्या सामने आई। फिर से ट्रांसफार्मर बदलवा दिया गया है। कुछ ही देर में आपूर्ति चालू हो जाएगी। क्षेत्र के गांव लक्ष्मणपुरा में 22 जुलाई से बिजली न आने के करण गांव में त्राहि त्राहि मची हुई है। इसी को लेकर गांव की महिला पुरुष गाड़ी वाला चौक स्थित बिजली घर पर पहुंचे तथा प्रदर्शन कर नारेबाजी की। महिलाओं का आरोप है कि बिजली अधिकारी ग्रामीणों को जान बूझकर परेशान कर रहे है। तीन–तीन ट्रांसफार्मर बदलने के बाद भी गांव में बिजली नहीं पहुंच रही है। जिससे पशुओं के लिए चार काटने तथा पीने के लिए पानी तक को तरस गए हैं। प्रदर्शन करने वालों में सोनी, कमलेश, मंजू, कौशल, सुनीता, ओमवीर तथा पुरुषों में कृष्ण पाल, संजीव कुमार, उमेश कश्यप, पवन, योगेश कुमार आदि रहे। इस संबंध में बिजली विभाग के अधिकारी रवि कुमार ने बताया कि वर्कशॉप से जो ट्रांसफार्मर आए थे उनमें कुछ कमी के कारण वह लगते ही खराब हो गए तथा तीन ट्रांसफार्मर बदलवा चुके हैं। फिर से नया ट्रांसफार्मर मंगाया गया है। जिसे चालू किया जा रहा है, जल्द ही विद्युत सप्लाई सुचारु हो जाएगी।

## आवागमन की असुविधा से जूझ रहे लोगों का हंगामा

हमीरपुर, संवाददाता। हमीरपुर जिले में बीते कई वर्षों से आवागमन की असुविधा से जूझ रहे शहर के डिग्गी मोहल्ला वासियों ने रविवार सुबह कानपुर सागर हाईवे पर जाम लगा दिया। उन्होंने पालिकाध्यक्ष व सभासद पर चुनाव दौरान किए गए वादे को पूरा न करने का आरोप लगाया। उन्होंने सड़क निर्माण की मांग करते हुए प्रदर्शन जारी रखने की बात कही। मौके पर पहुंची पुलिस ने समझाबुझाकर करीब आधे घंटे बाद जाम खुलवाया। इस दौरान दोनों ओर वाहनों की लंबी लाइन लग गई। रमेड़ी डिग्गी डांडा ग्राम पंचायत को वर्ष 2017 में हुए परिसीमन दौरान नगर पालिका में शामिल कर दिया गया। नगर पालिका में शामिल होने के बाद भी यहां के वासी गांव से बदतर जीवन जीने को मजबूर है।

## घर में घुसकर पीएसी के सिपाही ने महिला से किया दुष्कर्म

शामली, संवाददाता। कस्बे के एक मोहल्ले में पीएसी में तैनात सिपाही ने रात को घर में घुसकर महिला से दुष्कर्म किया। महिला के पति ने आरोपी को मौके पर पकड़ लिया, लेकिन आरोपी मौके से भागने में कामयाब हो गया। आरोपी का मोबाइल फोन वहीं छूट गया। महिला के पति की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर ली। आरोपी मेरठ में तैनात है और वह दो दिन पहले ही छुट्टी पर घर आया था। जलालाबाद कस्बे के एक मोहल्ला निवासी ने शनिवार को थानाभवन पुलिस को तहरीर देकर बताया कि पड़ोस में रहने वाले पीएसी के सिपाही पिंटू ने रात को घर में घुसकर उसकी पत्नी के साथ दुष्कर्म किया।

# लिफ्ट देकर रुपये छीनने में हिस्ट्रीशीटर समेत दो को जेल

फतेहपुर, संवाददाता। लिफ्ट देकर बुजुर्ग के रुपये छीनने के मामले में पुलिस ने हिस्ट्रीशीटर समेत दो आरोपियों को जेल भेजा है। रुपये,पासबुक, घटना में प्रयुक्त बाइक, तमंचा, कारतूस बरामद किया है। कोतवाली क्षेत्र के बिहारीपुर टेकारी निवासी सावनी 26 जुलाई को बैंक ऑफ बड़ौदा की खागा शाखा से रुपये निकालने पहुंचा था। बैंक से दो हजार रुपये निकालकर खागा जीटी रोड पुराने बस स्टैंड पर पहुंचा। जहां से त्योंजा गांव बेटी के घर जाने को वाहन का इंतजार कर रहा था। इस दौरान दो युवक बाइक से पहुंचे थे। उसे लिफ्ट देकर बाइक में बीच में बैठा लिया था। रास्ते में एक हजार रुपये पार करके उसे उतार दिया था। पुलिस ने दोनों आरोपियों को रविवार को पश्चिमी बाईपास ओवरब्रिज के पास से गिरफ्तार किया। सीओ बृजराज सिंह ने बताया कि सवानी से छिनैती करने वाले बांदा जिला के कमासिन थाना क्षेत्र ओझा नगर लोहरा निवासी रोहित यादव व कैलाश पटेल को जेल भेजा है। उनके पास से छिनैती के रुपये, बैंक पासबुक, तमंचा व कारतूस, मोटरसाइकिल बरामद हुई है। कमासिन थाने का कैलाश हिस्ट्रीशीटर है।

# बुंदेलखंड एक्सप्रेस–वे पर खड़े ट्रैक्टर से टकराई कार, दो की मौत, पांच घायल

हमीरपुर, संवाददाता। बुंदेलखंड एक्सप्रेस–वे पर खन्ना टोल प्लाजा के निकट तेज रफतार कार सड़क किनारे खड़े ट्रैक्टर से टकरा गई। जिसमें कार सवार दो युवकों की मौत हो गई। वहीं पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को मौदहा सीएचसी लाया गया। जहां हालत नाजुक होने पर सभी को जिला अस्पताल रेफर किया गया। जिसमें चार घायलों को उनके रिश्तेदार उरई ले गए। एक को कानपुर रेफर किया गया है। कार सवार उरई से चित्रकूट टीन शेड निर्माण कराने जा रहे थे। कार में ठेकेदार उसका बेटा व लेवर सवार थी। देवेन्द्र निरंजन (51) निवासी विवेकानंद कालोनी कोतवाली व नगर जनपद उरई अपने बेटे रवि (26) व पांच मजदूरों कल्लू (35) पुत्र तहबर अली, शनि (24) पुत्र ईमामी, सैफ अली (28) पुत्र कासिम अली, अनस (23) पुत्र फिरोज खान व नसीम (20) पुत्र वहीद सभी निवासी लीलबरी कोतवाली व नगर उरई के साथ चित्रकूट जा रहे थे। उनकी निजी कार उनका बेटा रवि चला रहा था। देवेंद्र चित्रकूट में मंडी समिति में टीन शेड लगवाने के लिए जा रहे थे। तभी बुंदेलखंड एक्सप्रेस–वे पर खन्ना टोल प्लाजा के निकट किमी संख्या 83 के पास चल रहे कार्य के उद्देश्य से खड़े ट्रैक्टर से तेज रफतार कार अनियंत्रित होकर टकरा गई। जिसमें ट्रैक्टर व कार दोनो बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। सूचना मौदहा पुलिस ने पहुंचकर स्थानीय लोगो की मदद से सभी घायलों को एंबुलेंस व अन्य वाहनों की मदद से इलाज के लिए मौदहा सीएचसी भेजा। जहां चिकित्सकों ने नसीम को मृत घोषित कर दिया। घायलों की हालत नाजुक होने पर जिला चिकित्सालय के लिए रेफर किया गया। जिला अस्पताल में देवेंद्र व उसके बेटे रवि को लाया गया। जबकि अन्य घायलों को उनके रिश्तेदार उरई ले गए। जिला अस्पताल में रवि को चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। जबकि देवेंद्र को कानपुर रेफर किया है। मृतकों व घायलों के परिजनों को सूचना दे दी गई है। मृतक नसीम के शव को मौदहा पुलिस ने व रवि को सदर पुलिस ने कब्जे में लेकर पंचायतनामा भरने की कार्रवाई की।

# बिजनौर में सीओ की गाड़ी पलटी, हादसे में दो सिपाही घायल हो गए

बिजनौर, संवाददाता। राष्ट्रीय राजमार्ग 734 पर स्थित गांव आलमपुर गांवड़ी के समीप सीओ यातायात की सरकारी गाड़ी सड़क पर घूम रही गाय को बचाने के प्रयास में अनियंत्रित होकर पलट गई। दुर्घटना में कार में मौजूद दो आरक्षी घायल हो गए। जिन्हें सीएचसी में भर्ती कराया गया। जानकारी के अनुसार, देर रात करीब 11 बजे सीओ यातायात की गाड़ी भूतपुरी दिशा से अफजलगढ़ की ओर जा रही थी। गाड़ी को आरक्षी तरूण चला रहा था। आरक्षी दीपक गिरी भी गाड़ी में मौजूद था।जबकि गाड़ी में सीओ यातायात मौजूद नहीं थे। जैसे ही गाड़ी राष्ट्रीय राजमार्ग 734 पर स्थित गांव आलमपुर गांवड़ी के समीप पहुंची। गाड़ी के सामने सड़क पर घूम रही एक गाय आ गई।

चालक ने गाड़ी को गाय से बचाने का प्रयास किया। किन्तु गाड़ी अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गई। दुर्घटना में कार में सवार दोनों आरक्षी घायल हो गए। जिन्हें पुलिस ने राहगिरो की मदद से सीएचसी में भर्ती कराया। दुर्घटना में आरक्षी दीपक गिरी को मामूली चोट आई है। जबकि आरक्षी तरूण गम्भीर रूप से घायल हो गया। सीएचसी से चिकित्सक ने प्राथमिक उपचार के बाद आरक्षी तरूण की गम्भीरावस्था के चलते हायर सेंटर रेफर कर दिया। आरक्षी तरुण राणा को गर्दन में गम्भीर चोट आने के कारण सीएचसी से रैफर होने के बाद मुरादाबाद कॉसमॉस अस्पताल में भर्ती कराया गया।जहां उसका उपचार चल रहा है। दुर्घटना में गाड़ी भी पलटने से बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई है।

## नाले में मिला पांच दिन से लापता किशोर का शव

उन्नाव, संवाददाता। उन्नाव जिले में पांच दिन से लापता युवक का शव आवास विकास कालोनी में उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक के निजी आवास के सामने मिला। दुर्गंध आने पर लोगों ने पुलिस को सूचना दी। दही थाना पुलिस के मुताबिक नाला सफाई के दौरान हटाया गया ढक्कन पत्थर बंद न किए जाने से गिरकर मौत हुई है। दही थानाक्षेत्र के राजेपुर गांव निवासी शिवा (17) पुत्र विनोद, दही चौकी स्थित एक स्लाटर हाउस में मजदूरी करता था।

23 जुलाई को घर से बिना बताए निकला था। रात तक घर न लौटने पर परिजनों ने दही थाने में सूचना दी थी। लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। मृतक की मां चंद्रावती के मुताबिक परिवार के लोगों ने एसपी कार्यालय में भी बेटे के लापता होने की जानकारी दी लेकिन थी। रविवार दोपहर नाले से तेज दुर्गंध आने पर लोगों ने देखा तो युवक का शव नजर आने पर दही थाना पुलिस को जानकारी दी।

मृतक की मां ने हत्या करके शव को नाले में फेंकने का आरोप लगाया है। थानाध्यक्ष अनुराग सिंह ने बताया कि घटना की जांच की जा रही है। नाले में गिरने से मौत होने का अनुमान है। कुछ दिन पहले नगर पालिका ने नाला की सफाई कराने के लिए नाले के करीब एक मीटर के हिस्से के कंक्रीट ढक्कन हटवाया गया था, लेकिन उसे फिर नहीं लगाया गया। उनके मुताबिक नाले में गिरने से मौत होने का अनुमान है।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर होगी कार्रवाई

जांच और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई की जाएगी। नगर पालिका ईओ ने एसके गौतम ने बताया कि नाला सफाई कब हुई, किसने कराई और खुला क्यों छोड़ा गया इसकी जांच कराई जाएगी। अगर नाले में गिरने की वजह से किशोर की मौत होने की पुष्टि होती है, तो संबंधित अधिकारी, कर्मचारी के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

# अलीगढ़ में शिक्षकों के वेतन से पक रहा मध्यान्ह भोजन

अलीगढ़, संवाददाता। परिषदीय विद्यालयों में अध्ययनरत बच्चों को दोपहर का भोजन मिलता है। इसके लिए मार्च 2024 से प्रधानाध्यापकों और प्रधानों के बैंक खाते में मध्याह्न भोजन की कन्वर्जन कास्ट के 4.16 करोड़ रुपये की धनराशि नहीं भेजी गई है। प्रधानाध्यापकों को वेतन के पैसों से मध्याह्न भोजन के लिए सामग्री लानी पड़ रही है। अलीगढ़ जिले में 2115 विद्यालय हैं, इनमें दो लाख 49 हजार बच्चे पढ़ रहे हैं। कन्वर्जन कास्ट न मिलने पर उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष मुकेश कुमार सिंह व जिला मंत्री राजेंद्र सिंह अत्री ने बताया कि मार्च 2024 से मिड डे मील संचालन के लिए कोई भी धनराशि बैंक खातों में नहीं भेजी गई है। उन्होंने कहा कि पिछले चार–पांच महीने से कभी उधार लाकर तो कभी अपने वेतन के पैसे से मिड डे मील खिला रहे हैं। जिसमें भी अधिकारियों द्वारा कमियां दर्शाकर शिक्षक के खिलाफ कार्रवाई कर दी जाती है, जो बिल्कुल गलत है। कभी–कभी विद्यालयों को खाद्यान्न भी समय से प्राप्त नहीं होता है। रसोइयों का मानदेय भी कई महीने तक लटका रहता है। इस मामले में उन्होंने बीएसए को ज्ञापन सौंपा है। इस बाबत जिला समन्वयक एमडीएम शैलेंद्र राना ने बताया कि एक–दो दिन में प्रधानाध्यापकों और प्रधानों के बैंक खातों में मध्याह्न भोजन के लिए 4.16 करोड़ रुपये पहुंच जाएंगे।

## ताला तोड़कर लाखों के गहने और नकदी की पार

फिरोजाबाद, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के फिरोजाबाद में सूने मकान का ताला तोड़कर चोरों ने लाखों के आभूषण एवं नकदी की चोरी की। मजलिस से वापस आने के बाद परिवार को घटना की जानकारी हुई। पीड़ित ने थाना पुलिस को घटना की तहरीर दी है। पुलिस चोरों की तलाश में जुट गई है। घटना शिकोहाबाद थाना क्षेत्र के आवास–विकास कॉलोनी की है। यहां के निवासी मंसूर जैदी अपने परिवार के साथ शनिवार को मजलिस में नौशहरा गए हुए थे। घर पर ताला लगा हुआ था। रात के समय मौका पाकर चोरों ने घर का ताला तोड़कर घर के अंदर प्रवेश कर लिया। जिन्होंने घर के अंदर अलमारी में रखे हुई एक चौन, चोर जोड़ी कानों के कुंडल, मंगलसूत्र, दो अंगूठी, छः पायल एवं 10 हजार रुपये की नकदी चोरी कर ली। घटना को अंजाम देने के बाद चोर फरार हो गए।

## 20 करोड़ रुपये से होगा सड़क निर्माण

अलीगढ़, संवाददाता। अलीगढ़ महानगर के सूत मिल से नादा पुल तक करीब पांच किलोमीटर लंबी सड़क बनेगी। लोक निर्माण विभाग करीब 20 करोड़ रुपये से बारिश बाद इस सड़क का निर्माण कराएगा। सारसौल स्थित सूत मिल से नादा पुल तक सड़क जर्जर हो चुकी है, जगह–जगह गड्ढे हैं। बारिश के दौरान यहां पर जलभराव हो जाता है। इससे वाहन चालकों और स्थानीय लोगों को आवागमन में दिक्कत होती है। लोग लंबे समय से इस सड़क के निर्माण की मांग उठा रहे थे। जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों को कई बार ज्ञापन भी सौंपे गए। अब इस सड़क के निर्माण की जिम्मेदारी लोक निर्माण विभाग को सौंपी गई। 20 करोड़ रुपये से सूत मिल से नादा पुल तक सड़क बनाई जाएगी।

# एलआईसी मैनेजर के घर लाखों की चोरी

कानपुर, संवाददाता। कानपुर में बर्रा थाना क्षेत्र निवासी एलआईसी मैनेजर के घर 12 जुलाई की रात 13 लाख की चोरी करने वाले शातिर ने पुलिस की पूछताछ में सनसनीखेज खुलासा किया है। जालौन निवासी आरोपी सनी सिंदे ने बताया कि वह और मैनेजर करीब एक माह पहले गे डेटिंग एप के जरिये संपर्क में आए थे। दोनों की रोजाना घंटों चौटिंग होने लगी। इस बीच मैनेजर ने होटल में मिलने की इच्छा जताई, लेकिन उसका मकसद तो घर से माल उड़ाना था, इसलिए होटल के असुरक्षित होने का हवाला दिया। इसके बाद मैनेजर ने अपने घर बुलाया। रात में वह उनके घर में ही रुका और चॉकलेट में नशीला पदार्थ मिलाकर खिला दिया। उनके बेहोश होते ही ज्वैलरी और नकदी लेकर वह भाग निकला। चोरी के अगले दिन मैनेजर ने बर्रा थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। तब बताया था कि खुद को इटावा निवासी सीआरपीएफ कर्मी बताकर एक शख्स पॉलिसी कराने के बहाने 12 जुलाई को उनके घर आया था। देर होने की बात कहकर घर में ही रुक गया था। सुबह जब उठे तो नकदी और गहने गायब थे। पुलिस के गले से यह बात उतरी नहीं कि किसी अनजान व्यक्ति को कोई अपने घर में कैसे रोक सकता है। इसी के चलते गिरफ्तारी के बाद जब आरोपी से पूछताछ की तो पूरा सच सामने आ गया।

बातों से रिझाया, आने के पहले ही जुटा ली थी पूरी जानकारी

आरोपी ने बताया कि उसने प्यारी–प्यारी बातें कर मैनेजर को अपनी रिझा लिया। चौटिंग का सिलसिला बढ़ा तो मैनेजर से उनके काम, परिवार के सदस्यों के बारे में पूरी जानकारी जुटा ली। मैनेजर ने बताया था कि वह और पत्नी यहां रहते हैं और बेटा बाहर है। एक दिन मैनेजर ने होटल में मिलने की इच्छा जताई तो वहां लगे कैमरों का डर दिखाकर घर में ही आने को कहा। इस पर मैनेजर तैयार हो गए। उनकी पत्नी जब मायके गई तो उन्होंने घर बुला लिया। आरोपी ने बताया कि नौबस्ता बाईपास होते हुए वह घर पहुंचा। उस समय मैनेजर घर पर अकेले थे और उन्होंने ही गेट खोला था। रात को बातचीत के दौरान उन्हें अपने हाथों से चॉकलेट खिलाई। बेहोश होते ही नगदी और ज्वैलरी समेट कर निकल गया।

उम्मीद थी कि बेइज्जती के डर से रिपोर्ट नहीं दर्ज कराएंगे

आरोपी सनी ने बताया कि उसे उम्मीद थी कि बेइज्जती के डर से मैनेजर चोरी की रिपोर्ट दर्ज नहीं कराएंगे, लेकिन अगले दिन उन्होंने बर्रा थाने में रिपोर्ट दर्ज करा दी। इसके बाद पुलिस ने उनके घर में लगे कैमरों के फुटेज निकाले। इसके आधार पर ही आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया। पीड़ित ने पहले गे डेटिंग जैसे एप का जिक्र नहीं किया था। विवेचना में यह बात सामने आने पर जांच की जाएगी। देखा जाएगा कि आरोपियों ने इससे पहले तो नहीं किसी और को शिकार बनाया है। गे डेटिंग एप से मुंबई के फैशन डिजाइनर आदेश बाजपेई की आईआईटी के पूर्व छात्र राहुल वर्मा से दोस्ती हुई थी। राहुल ने आदेश की हत्या करने के बाद आईआईटी के जंगल में लाश को बोरे में भरकर फेंक दिया था। इसी साल मई में आरोपी को उम्रकैद की सजा सुनाई गई है।

अगस्त 2023 में कल्याणपुर पुलिस ने पॉलिटेक्निक और एससीसी की तैयारी करने वाले छह छात्रों को पकड़ा था। इन्होंने डेटिंग एप पर दोस्ती करने के बहाने युवक को घर बुलाया और उसका अश्लील वीडियो बनाने के बाद पैसे की मांग की थी।

2021 में डेटिंग एप के जरिये श्यामनगर निवासी युवक की इंदौर के फैशन डिजाइनर की मुलाकात हुई थी। युवक के कहने पर फैशन डिजाइनर ने जेंडर बदला लिया था। शादी से इन्कार करने पर मार्च 2024 में श्यामनगर आकर युवक के घर के बाहर खड़ी कार में आग लगा दी थी।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 - 7007415808, 9628325542, 9415034002
RNI NO - UPHIN/2022/86937
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।